श्रावण कृष्ण पक्ष अमावस्या संवत् 2082 | dopaharmetro | epaper.dopaharmetro.com | dopaharmetro | वर्ष-09, अंक - 21 | पेज 8, मूल्य 2 रुपए

डाक पंजीयन क्रमांकः म.प्र./4-474/2024-26

भोपाल
24 जुलाई 2025 गुरूवार

आज का मौसम
28 अधिकतम
23 न्यूनतम

बेबाक खबर हर दोपहर

दोपहर मेट्रो

Page-7

महाराष्ट्र सरकार की याचिका पर फैसला, 189 लोगों की हुई थी मौत

मुंबई ब्लास्टः सुप्रीम कोर्ट ने पलटा आरोपियों को बरी करने वाला हाईकोर्ट का फैसला

नई दिल्ली एजेंसी

सुप्रीम कोर्ट ने आज वर्ष 06 के मुंबई सीरियल ट्रेन ब्लास्ट मामले में बॉम्बे हाईकोर्ट द्वारा आरोपियों को बरी करने के फैसले पर रोक लगा दी है। हाईकोर्ट ने तीन दिन पहले 21 जुलाई को सभी 12 आरोपियों को बरी कर दिया था। इसके खिलाफ महाराष्ट्र सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की थी। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि- हमें बताया गया है कि सभी आरोपियों को रिहा कर दिया गया है। कोर्ट ने ये भी कहा कि बरी किए गए इन 12 आरोपियों को दोबारा गिरफ्तार नहीं किया जाएगा लेकिन हाईकोर्ट के फैसले को दूसरे केसों के लिए नजरी नहीं माना जाए। सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने आरोपियों को वापस जेल भेजने की कोई मांग नहीं की। मेहता ने कहा कि जहां तक स्वतंत्रता से जुड़े मसले पर स्टे का सवाल है, मैं सतर्क हूं। मैं बॉम्बे हाईकोर्ट के आदेश पर स्टे चाहता हूं, लेकिन उन्हें दोबारा जेल भेजना मेरा उद्देश्य नहीं है। वे पहले ही रिहा हो चुके हैं. लेकिन इससे मकोका के तहत चल रहे अन्य

मामलों पर असर पड़ेगा। ज्ञात हो कि 11 जुलाई 2006 को मुंबई सिलसिलेवार धमाकों में 189 लोगों की मौत हुई थी और 800 से ज्यादा लोग घायल हुए थे।

दरअसल तीन दिन पहले फैसले में बॉम्बे हाईकोर्ट ने कहा था कि प्रॉसीक्यूशन यानी सरकारी वकील आरोपियों के खिलाफ केस साबित करने में नाकाम रहे। लिहाजा मानना मुश्किल है कि आरोपियों ने अपराध किया है। इसलिए उन्हें बरी किया जाता है। अगर वे किसी दूसरे मामले में वॉन्टेड नहीं हैं, तो उन्हें तुरंत जेल से रिहा किया जाए। हाईकोर्ट के इस आदेश के बाद 21 जुलाई की शाम 12 में से दो आरोपियों को नागपुर सेंट्रल जेल से रिहा भी कर दिया गया था। पहले आरोपी एहतेशाम सिद्दीकी को 2015 में निचली अदालत ने मौत की सजा सुनाई थी। वहीं, दूसरा आरोपी मोहम्मद अली उम्रकैद की सजा काट रहा था।

हालांकि इस फैसले पर वरिष्ठ सरकारी वकील उज्ज्वल निकम जो 1993 मुंबई ब्लास्ट, 26/11 आतंकी हमले, गुलशन कुमार हत्याकांड और प्रमोद महाजन की हत्या जैसे मामलों में पैरवी कर चुके है। उन्होंने हैरानी जताई थी।

मुख्यमंत्री मोहन यादव ने राज्य वन विकास निगम की स्थापना के 50 वें वर्ष के उपलक्ष में जारी विजन 2047 का अनावरण किया।

ईडी ने अंबानी के 35 ठिकानों पर छापामार कार्रवाई की

मुंबई। प्रवर्तन निदेशालय ने आज यस बैंक के 3 हजार करोड़ रुपए के लोन धोखाधड़ी मामले में अनिल अंबानी के रिलायंस ग्रुप से

जुड़े 35 से ज्यादा ठिकानों और 50 कंपनियों पर छापेमारी की। रेड दिल्ली और मुंबई के ऑफिस और ठिकानों पर चल रही है। खबरों के मुताबिक, ये कार्रवाई सीबीआई की ओर से दर्ज दो एफआईआर और सेबी, नेशनल हाउसिंग बैंक, बैंक ऑफ बड़ौदा और नेशनल फाइनेंशियल रिपोर्टिंग अथॉरिटी (एनएफआरए) जैसी एजेंसियों से मिली जानकारी के आधार पर की गई है। ईडी की शुरुआती जांच में पता चला है कि इन लोन्स को कथित तौर पर फर्जी कंपनियों और ग्रुप की अन्य इकाइयों में डायवर्ट किया गया। जांच में यह भी सामने आया कि यस बैंक के बड़े अधिकारियों को शायद रिश्वत दी गई है।

मोदी की मालदीव यात्रा से पहले विवादित पोस्ट

माले। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 25-26 जुलाई को मालदीव के दौरे पर पहुंच रहे हैं। मगर इससे ठीक पहले वहां के राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू के साले और सलफी जमीयत के नेता शेख अब्दुल्लाह बिन मोहम्मद इब्राहिम ने मोदी पर टिप्पणी की है। हालांकि इस टिप्पणी पर विवाद बढ़ने के बाद अब्दुल्लाह ने सोशल मीडिया पोस्ट डिलीट कर दी। फिलहाल मालदीव सरकार की ओर से इस पर कोई आधिकारिक टिप्पणी नहीं की गई है। अब्दुल्लाह ने पोस्ट में लिखा था- मोदी इस्लाम के दुश्मन हैं, उन्हें मालदीव बुलाना बड़ी गलती है।

संसद में अंदर और बाहर चौथे दिन भी हंगामा

नई दिल्ली। संसद के मानसून सत्र के चौथे दिन भी आज हंगामा रहा। लोकसभा की कार्यवाही शुरू होते ही विपक्षी सांसद बिहार वोटर वेरिफिकेशन मामले पर हंगामा करने लगे। कांग्रेस सहित कई विपक्षी सांसद वेल में आकर पोस्टर लहराने लगे। स्पीकर ओम बिरला ने कहा- तख्तियां लेकर आने पर सदन नहीं चलेगा। हंगामे के बीच लोकसभा की कार्यवाही सिर्फ 6 मिनट चल पाई। स्पीकर ने दोपहर 2 बजे तक के लिए सदन स्थगित कर दिया। राज्यसभा में कार्यवाही करीब 1:30 घंटे चली। फिर इसे भी 2 बजे के लिए स्थगित कर दिया गया।

सिया में ताबड़तोड़ बदलाव की अंतर्कथा

सीजेआई के नोटिस के बाद जागे अफसर अब बचाएगी सरकार या सख्त एक्शन

अनिल शर्मा, भोपाल

प्रदेश में निर्माण और खनिज से जुड़े सैकड़ों प्रोजेक्ट्स को संवैधानिक संस्था सिया की मंजूरी के बिना अनुमति जारी करने का मामला पिछले कुछ महीनों से लगातार सुर्खियों में रहा है। हालात यहाँ तक पहुँच गए थे कि सिया के चेयरमैन शिवनारायण सिंह के दफ्तर में ताला तक लगवा दिया गया था। चौहान का कहना था कि ऐसा पर्यावरण विभाग के प्रमुख सचिव नवनीत कोठारी के कहने पर किया गया। मुख्यमंत्री मोहन यादव के हस्तक्षेप के बाद ताला तो खुल गया लेकिन हालात नहीं बदले। इसी महीने अध्यक्ष ने नौ बार मीटिंग बुलाने का आग्रह किया लेकिन अफसर अड़े रहे। इसके चलते देशभर में प्रदेश की किरकिरी होती रही।

इस मामले की गंभीरता को समझने के लिए पिछले छह -सात महीने के घटनाक्रम को समझना जरूरी है। प्रदेश सरकार द्वारा भेजे गए पैनल में से केंद्र सरकार ने इसी साल जनवरी में एसएन चौहान को तीन साल के लिए सिया का चेयरमैन और सुनंदा सिंह को सदस्य सचिव नियुक्त किया था। लेकिन प्रदेश की नौकरशाही को तभी से चौहान की नियुक्ति रास नहीं आई। तब से अब तक, उनकी अध्यक्षता में किसी प्रोजेक्ट की मंजूरी नहीं हुई। जनवरी से मार्च तक तो प्राधिकरण की कोई बैठक ही नहीं हुई। अप्रैल में सिर्फ दो बैठक हुईं लेकिन कोई मंजूरी नहीं दी गई। इसी तरह 7 मई को हुई मीटिंग में 29 प्रकरणों पर विचार हुआ लेकिन कोई निर्णय नहीं हो सका।

दरअसल, खेल इसी के बाद शुरू हुआ। अध्यक्ष ने 10 से 20 मई के बीच आधा दर्जन बार मीटिंग बुलाने के लिए सदस्य सचिव को चिट्ठी लिखी लेकिन इन्हें नज़रअंदाज़ कर दिया गया। यहां यह बता दें कि अनुमति के लिए सिया के पास प्रकरण आने के 45 दिनों के भीतर उनका निराकरण किया जाना जरूरी है। ऐसा न होने पर लंबित प्रकरणों में डीम्ड परमिशन (इसी) जारी कर दी जाती है। इसी नियम का फायदा उठाया गया। अध्यक्ष के कहने पर मीटिंग नहीं बुलाई और 450 लंबित मामलों में से 237 में डीम्ड परमिशन 23 मई को तब जारी कर दी गई। जब मेंबर सेक्रेटरी उमा माहेश्वरी छुट्टी पर चली गईं तो उनके स्थान पर प्रभारी रहे श्रीमन शुक्ला, जो एप्को के कार्यकारी निदेशक हैं, ने यह प्रमुख सचिव कोठारी के अनुमोदन पर किया। जिन मामलों में अनुमति दी गई उनमे से ज्यादातर खनिज विभाग से जुड़े हैं। पर्यावरण संरक्षण अधिनियम 1986 में स्पष्ट है 250 हेक्टेयर तक के प्रोजेक्ट की अनुमति राज्य में सिया द्वारा ही दी जाएगी। इसमें कहीं भी प्रदेश के पर्यावरण मंत्रालय और उसके अफसरों की कई भूमिका नहीं है। अधिनियम यह भी कहता है नियम विरूद्ध अनुमति होने पर पांच साल तक की सजा और एक लाख रु तक का जुर्माना हो सकता है।

दृश्य एक बुधवार, समय- सुबह 11 बजकर 30 मिनट। स्थान- सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश जस्टिस बीआर गवई का सुनवाई कक्ष। विषय - मध्यप्रदेश की एनवायरनमेंट इम्पैक्ट अस्सेस्मेंट अथॉरिटी (सिया) में मचे घमासान पर लगी जनहित याचिका का। सुनवाई शुरू होते याचिकाकर्ता की ओर से सीनियर एडवोकेट विवेक तन्खा पक्ष रखते हुए बताते हैं कि कैसे प्रदेश में कानून को ताक पर रखकर प्रोजेक्ट की पर्यावरण अनुमतियाँ जारी की गई हैं। इस पर सरकार के वकील का संतोषजनक जवाब न आने पर जस्टिस गवई कड़ा रुखा अपनाते हैं। सीधे, प्रदेश के मुख्य सचिव को नोटिस जारी करने का निर्देश देते हुए दो हफ्ते में जवाब-तलब करते हैं।

दृश्य दो भोपाल स्थित राज्य मंत्रालय। सुप्रीम कोर्ट के कड़े रुख की खबर लगते ही आला अफसरों में हड़कंप। मीटिंग्स का दौर। डैमेज कंट्रोल एक्सरसाइज़। अंततः शाम होते- होते पर्यावरण मंजूरी को लेकर विवादों में चल रहे प्रमुख सचिव नवनीत कोठारी और सिया की मेंबर सेक्रेटरी उमा माहेश्वरी का तबादला।

सिर्फ तबादले या आर्थिक अपराध का मामला भी ?

देखना यह होगा कि सिया की बैठकों में अड़ंगा लगाकर अवैध तरीके से 237 प्रोजेक्ट्स को मंजूरी देने वाले अफसरों प्रमुख सचिव नवनीत कोठरी और मेंबर सेक्रेटरी आर उमा माहेश्वरी पर एक्शन सिर्फ तबादलों तक ही सीमित रहेगा या फिर आर्थिक अपराध अन्वेषण ब्यूरो अथवा लोकायुक्त को मामला सौंपा जाएगा। क्योंकि कोर्ट के दखल के बाद तबादला कर देना तो एक तरह से मामले को दबाना ही कहा जाएगा। जानकार संदेह जताते हैं कि खनिज माफिया से जुड़े प्रोजेक्ट्स के लिए ही पूरा षड्यंत्र रचा गया होगा और यह बिना बड़े आर्थिक लाभ के संभव नहीं है। जांच एजेंसियों को यह भी पता लगाना चाहिए इस काम में और किन लोगों की भूमिका रही है। संगठन के प्रभारी अधिकारी रहे आलोक नायक की भूमिका संदेह के घेरे में है। पर्यावरण मंजूरी चाहने वालों के बीच उनकी छवि बिचौलिये की है। सवाल उन प्रोजेक्ट्स के भविष्य पर भी है जिन्हें स्वीकृति दी गई, क्या उन्हें रद्द किया जाएगा।

सुप्रीम कोर्ट ने संज्ञान लिया, मुझे कुछ नहीं कहना : चौहान

सिया अध्यक्ष चौहान ने कहा- विभिन्न प्रोजेक्ट को डीम्ड परमिशन जारी करने में अनियमितताएं तो हुई हैं। लेकिन अब, जब सर्वोच्च अदालत ने मामले में संज्ञान लिया है तो मुझे कुछ नहीं कहना, जहां तक तबादले की बात है तो यह सरकारी प्रक्रिया है।

नियमों के खिलाफ हुए इस गड़बड़झाले की शिकायत सिया अध्यक्ष ने केंद्र और राज्य दोनों सरकारों को की थी, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई। इसके बाद अध्यक्ष जून और जुलाई में भी प्राधिकरण की बैठक बुलाने के लिए दर्जनों पत्र लिखते रहे जिन्हें अनसुना करते हुए 14 जुलाई को उनके दफ्तर में ताला ही लगा दिया। ताला खुलवाने और हालत सामान्य करने के लिए मुख्यमंत्री को दखल देना पड़ा। सवाल यह है कि क्या अफसर यह सब पर्यावरण कि चिंता में कर रहे थे या फिर उनके निजी हित जुड़े थे ? सिस्टम परिवर्तन अभियान की और से मुख्यमंत्री को लिखे पत्र में तो इसे सीधा भ्रष्टाचार का मामला बताया गया है।

मेट्रो एंकर अब पांचवी पीढ़ी के फाइटर जेट के लिए निजी फर्म को भी मिलेगा रास्ता

मिग 21 का रिटायरमेंट, सितंबर तक पूरा बेड़ा बन जाएगा इतिहास

नई दिल्ली, एजेंसी

भारतीय वायुसेना ने आखिरकार अपने दशकों पुराने मिग-21 लड़ाकू विमानों को 62 साल की सेवा के बाद चरणबद्ध तरीके से हटाने सिलसिला तेज कर दिया है। इन्हें अक्सर 'उड़ता ताबूत' कहा जाता है तथा पंद्रह साल पहले फिल्म 'रंग दे बसंती' ने इन विमानों से जुड़े हादसों की वास्तविकता को उजागर किया था। हाल में मई में हनुमानगढ़ राजस्थान में हुई मिग दुर्घटना ने एक बार फिर इसकी पुष्टि की। लिहाजा आगामी सितंबर तक वायुसेना की नंबर 23 स्क्वाड्रन अपने बचे हुए 'बाइसन' वेरिएंट विमान भी हटा देगी। इससे इन विमानों की छह दशकों की सेवा का अंत हो जाएगा। हालांकि यह सिर्फ एक विमान का रिटायरमेंट नहीं है, बल्कि रक्षा आधुनिकीकरण में उम्रदराज प्लेटफार्मों, रुकी हुई परियोजनाओं और महत्वाकांक्षा के बीच के अंतर के एक अध्याय का भी समापन होगा। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक मिग-21 की अंतिम विदाई और एचएएल की चुनौतियों के बीच अब निजी रक्षा फर्मों को बढ़ावा मिलेगा।

उल्लेखनीय है कि 1963 में मिग-21 को भारत के पहले सुपरसोनिक फाइटर जेट के रूप में शामिल किया गया था। भारतीय वायुसेना के इतिहास का यह अभिन्न अंग रहा है। इसने 1965 और 1971 के युद्धों, कारगिल संघर्ष (1999) और बालाकोट हवाई हमलों (2019) सहित हर बड़े सैन्य अभियान में हिस्सा लिया। भारत ने 850 से ज्यादा मिग-21 विमान हासिल किए। भारतीय वायुसेना का यह अब तक का सबसे बड़ा लड़ाकू बेड़ा भी रहा। इसमें से लगभग 600 का निर्माण हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड ने घरेलू स्तर पर किया। हालांकि यह अपने दुर्घटना रिकॉर्ड के लिए बदनाम था। कई पायलटों ने इसमें अपनी जान गंवाई। इन विमानों को लंबे समय तक सेवा में रखा गया क्योंकि इनकी जगह लेने के लिए कोई और सही विकल्प नहीं था। मिग-21 को बदलने की मूल योजना स्वदेशी तेजस विमानों से थी। फरवरी 21 में रक्षा मंत्रालय ने एचएएल के साथ 83 तेजस जेट के लिए 48,000 करोड़ रुपये का अनुबंध किया था। पहली डिलीवरी मार्च 2024 तक होनी थी। लेकिन, यह डेडलाइन बीत चुकी है। एयर चीफ मार्शल एपी सिंह ने सार्वजनिक रूप से एचएएल से समय पर वादे पूरे करने की अपील की थी। एचएएल ने इस देरी के लिए जीई एयरोस्पेस से इंजन की सप्लाई में देरी को मुख्य कारण बताया था।

अब फ्रंट लाइन में निजी रक्षा फर्में

लड़ाकू विमान तेजस उत्पादन श्रृंखला को रफ्तार देने के लिए निजी खिलाड़ियों को शामिल करने का प्रस्ताव है और प्रक्रिया चल रही है। अल्फा टोकोल इंजीनियरिंग, वीईएम टेक्नोलॉजीज, एलएंडटी, टाटा एडवांस्ड सिस्टम्स, डायनामिक टेक्नोलॉजीज, लक्ष्मी मशीन वर्क्स और एम्फेनोल जैसी निजी फर्मों ने तेजस के विभिन्न हिस्सों की सप्लाई शुरू कर दी है। एचएएल का लक्ष्य 2026-27 तक सालाना 30 विमानों का उत्पादन करना है। अगला बड़ा कदम एडवांस्ड मीडियम कॉम्बैट एयरक्राफ्ट कार्यक्रम है,जिसमें भारत का पहला पांचवीं पीढ़ी का स्टील्थ फाइटर बनाया जाना है। मगर इस बार, एचएएल का निष्पादन पर एकाधिकार नहीं होगा। वायुसेना का लक्ष्य 2040 के दशक की शुरुआत तक सात स्क्वाड्रन या लगभग 126 जेट प्राप्त करना है।

अब थाईलैंड और कंबोडिया की सेनाएं भिंडी

बैंकॉक। भारत-पाकिस्तान के तनाव और म्यांमार में जारी गृहयुद्ध के बीच एशिया के दो और मुल्कों में लड़ाई बढ़ गई है। भारत के ये पड़ोसी देश थाइलेंड और कंबोडिया हैं। सीमा पर दोनों देशों की सेनाएं आज भिड़ गई हैं। थाई सेना और कंबोडियाई रक्षा मंत्रालय ने बताया है कि यह झड़प प्रसात ता मुएन थॉम के पास बॉर्डर पर हुई है। यह उत्तरपूर्वी सुरिन प्रांत में स्थित है, जिस इस पर कंबोडिया का दावा है। ऐसे में यह क्षेत्र दोनों देशों के बीच विवाद का विषय है। झड़प में कम से कम दो सैनिक घायल हुए हैं, जिससे दोनों पड़ोसियों के बीच तनाव और बढ़ गया है। यह झड़प कंबोडिया के राजदूत को एक बारूदी सुरंग विस्फोट के बाद निष्कासित किए जाने के बाद हुई है।

रविकिशन ने नाले पर मकान बनाया, कैमरे ने पकड़ा: योगी

गोरखपुर। सीएम योगी आदित्यनाथ ने गोरखपुर में 177 परियोजनाओं के लोकार्पण कार्यक्रम में एक चौंकाने वाला खुलासा किया और बताया कि स्थानीय भाजपा सांसद और अभिनेता रवि किशन ने रामगढ़ ताल क्षेत्र में नाले के ऊपर मकान बना लिया है। जबकि हमने पहले ही बोला था कि जल निकासी के रास्ते पर निर्माण न हो, नहीं तो परेशानी होगी। नाले के ऊपर कहां-कहां घर बना है ये सब मशीन पकड़ लेती है। मुख्यमंत्री ने कहा कि ऐसा ना हो पता लगे कि कालीबाड़ी के बाबा और रविकिशन साथ चल रहे हैं। केला खाकर सड़क पर फेंक रहे हैं। अब तो सीसीटीवी कैमरे से सब दिखाई देता है।

प्रशासन की लापरवाही, जनता परेशान

राजधानी में बारिश के समय अंडरब्रिज के हालात प्रशासन की लापरवाही और आम आदमी की मजबूरी को उजागर करते हैं।

बरकतउल्ला विश्वविद्यालय के कामकाज की जांच शुरु

इस बार नैक के मापदंडों पर खरा उतरने की जददोजहद

भोपाल, दोपहर मेट्रो

बरकतउल्ला विश्वविद्यालय में नेशनल असेसमेंट एंड एक्रेडिटेशन काउंसिल (नैक) का शुरू हो गया है। 7 सदस्यीय नैक टीम कल से 3 दिन तक 7 क्राइटेरिया पर निरीक्षण में जुटी है। इससे पहले 6 सदस्यीय टीम ने साल 2023 में बीयू का निरीक्षण किया था। वहीं, फाइनल रिजल्ट में बी ग्रेड मिला था। खराब रिजल्ट आने से कुलपति सहित नैक में सहभागिता निभाने वाले अधिकारी व कर्मचारी निराश रहे हैं।

बताया जाता है कि इसी निराशा के कारण विवि में गंभीर चिंतन-मंथन हुआ था, जिसके बाद से नैक टीम के सभी सुझावों पर अमल शुरू कर दिया गया। यही कारण रहा कि बीयू ने दो साल बाद साल 2025 में खुद से नैक री-असेसमेंट के लिए अप्लाई किया था। बीयू के अधिकारियों का कहना है कि उन्हें पूरा भरोसा है कि इस बार जिस स्तर की उनकी तैयारियां हैं, उन्हें ++ मिलेगा। अपनी तैयारियों के जायजे के लिए बीयू ने सोमवार को नैक की टीम का मॉक विजिट भी कराया था।

7 कैटेगरी पर होगी जांच

1.स्टूडेंट 2. करिकुलम 3. टीचर एवं फैकल्टी एक्सपीरियंस 4. एक्सटेंशन एक्टिविटी एंड रिसर्च 5. इन्फ्रास्ट्रक्चर 6. स्टूडेंट फैलोशिप एंड प्लेसमेंट एवं 7. गवर्नेंस एंड बेस्ट प्रैक्टिस।

इसमें एक फैकल्टी दूसरे कॉलेज से और दो फैकल्टी बीयू से ही थीं। इन्होंने एक दिन में नैक की टीम की ही तरह सभी प्रक्रियाएं शॉर्ट में पूरी कीं।खास ये की इस दौरान टीम के स्वागत से लेकर प्रेजेंटेशन तक हू-ब-हू नैक के निरीक्षण की तरह किया गया। इस दौरान जो कमियां सामने आईं, उन्हें दूर करने के प्रयास जारी रहे। इसमें रंगाई-पुताई से लेकर घास की कटाई जैसे बारीक कार्य भी शामिल रहे।

पहली बार 5 सदस्य जुड़ेंगे ऑनलाइन

खास ये कि अब तक नैक की टीम में 6 सदस्य आते थे। यह मिलकर इस पूरे निरीक्षण को पूरा करते थे। हाल ही में इस पैटर्न में बदलाव किया गया। इसके तहत बीयू में यह पहला निरीक्षण है, जब नैक की टीम में 7 सदस्य होंगे। इनमें से 5 ऑनलाइन व 2 संस्थान में मौजूद रहेंगे।

जनवरी में किया था आवेदन

बरकतउल्ला विश्वविद्यालय ने जनवरी में नैक के लिए पहला (प्रिलिम्स) आवेदन किया। इसमें पास होने के बाद मार्च में नैक ने फाइनल डॉक्यूमेंट सबमिट करने के लिए आमंत्रित किया। इसके जवाब में बीयू ने 26 अप्रैल को अपने फाइनल डॉक्यूमेंट जमा किए। इसके बाद एक लंबी सवाल-जवाब की प्रक्रिया चली। अंत में 19 जून को इसे पूरी तरह से एक्सेप्ट कर लिया गया। इन डॉक्यूमेंट और एविडेंस का नैक की रैंकिंग में 70 प्रतिशत भाग होता है। इसमें सफल होने के बाद बचे हुए 30 प्रतिशत के लिए 7 सदस्यीय नैक टीम के निरीक्षण का पत्र जारी हुआ। उल्लेखनीय है कि 2 साल पहले नैक टीम ने इन बिंदुओं रिसर्च, प्रोजेक्ट और पेटेंट से जुड़े कार्यों में, नियमित फैकल्टी की संख्या मे, प्लेसमेंट सुविधा के प्रैक्टिकल नॉलेज की व्यवस्था में, हॉस्टल व इन्फ्रास्ट्रक्चर से जुड़ी व्यवस्था के लाइब्रेरी में सुधार के सुझाव दिए थे।

कैबरे डांस : मानव अधिकार आयोग ने दिए जांच के निर्देश

भोपाल। मप्र मानव अधिकार आयोग ने भोपाल स्थित बीयू में उजागर हुए रैगिंग कांड पर संज्ञान लिया है। मामले में आयोग ने बीयू के रजिस्ट्रार को जांच के निर्देश दिए हैं। मामले में आयोग ने की गई कार्यवाही रिपोर्ट भी तलब की है। दरअसल, बीयू के हॉस्टल में सीनियर छात्रों द्वारा जूनियर छात्रों के साथ रैगिंग करने का मामला सामने आया है। आयोग के संज्ञान में आया है कि बी.यू. के हॉस्टल में सीनियर छात्र द्वारा जूनियर छात्रो को बार-बार बुलाकर जबरन शराब पिलाकर हेलन स्टाइल में कैबरे डांस करने के लिये मजबूर किया जाता है। इनकार करने पर उनके साथ गाली-गलौज और मारपीट की जाती है। इस संबंध में छात्र ने एंटी रैंगिग हेल्पलाइन में शिकायत दर्ज कराई है, लेकिन अब तक न तो पीड़ितों की पहचान हो सकी है और न ही दोषी छात्रों पर कोई सख्त कार्रवाई हुई है।

शहर में कई स्थानों पर नालों पर सजे हैं बाजार

एमपी नगर सड़क हादसे के बाद अफसरों को शहर के सभी नालों के सर्वे का ख्याल आया

भोपाल दोपहर मेट्रो

राजधानी का व्यस्त एमपी नगर जोन-2 में 'सड़क हादसे' के बाद स्थानीय एजेंसियों को नालों की सुध आई है। लिहाजा इनका सर्वे करने की तैयारी हो रही है। दरअसल ज्योति टॉकीज चौराहे के पास 17 जुलाई की दोपहर जिस नाले के कारण सड़क का हिस्सा धंसा था, उसके बाद यह सतर्कता का ख्याल आया है। अभी तो उसका सर्वे शुरू किया गया है यहां करीब 8 फीट चौड़ा गड्ढा हो गया था। यहां नाले के ऊपर फिलहाल 40 दुकानें संचालित हो रही हैं जो खतरे का सबब मानी जा रही हैं। यह नाला 1980 में सीपीए द्वारा एमपी नगर और आसपास की कॉलोनियों के लिए बनाया गया था। इसमें अरेरा हिल्स क्षेत्र का बारिश का पानी आता है। यह नाला जोन-1 से अंडरग्राउंड होकर आता है । जोन-2 में यह नाला खुला है, लेकिन पाटीदार स्टूडियो से एक निजी अस्पताल तक के हिस्से में यह सीमेंट-कांक्रीट की स्लैब से ढंका है। इस पर 1990 के पहले बीडीए द्वारा 30 से अधिक दुकानें बना दी गई थीं।

अभी आलम यह बताया जा रहा है कि यहां बनाई हर दुकान के पीछे का हिस्सा दो-दो पिलर पर टिका है, जबकि सामने का हिस्सा नाले की स्लैब और सड़क पर खड़ा है। इन दुकानों में मैकेनिक शॉप से

लेकर होटल और फूड आउटलेट तक संचालित हो रहे हैं। खतरा यह है कि जिन पत्थरों से नाले की दीवारें बनाई गई थीं, वे कई जगहों से निकल चुके हैं।

बताया जाता है कि ज्योति टॉकीज के पास जहां नाला धंसा था, वहां मरम्मत का काम फिलहाल तो कर दिया गया है। लेकिन इसे पूरे नाले का सर्वे करानें के बाद लोक निर्माण विभाग ने पूरे शहर में इस तरह के अतिक्रमित और ढंके नालों की भी जांच करवाने का निर्णय लिया है। हालांकि यह काम बारिश के बाद ही हो सकेगा। गौरतलब है कि नये भोपाल से लेकर पुराने शहर के हिस्सों में नालों के आसपास जबर्दस्त अतिक्रमण व कब्जे हैं। कई जगह तो प्रशासन ने ही नालों पर दो मंजिला दुकानें बाजार बना रखे हैं। नये शहर के शिवाजी नगर में छह नंबर का मार्केट हो या ग्यारह नंबर इलाके का मार्केट, यहां नालों के ऊपर दकानें बनी हुईज्ञ हैं।

फोटो गैलरी

भोपाल। हरियाली तीज के अवसर पर शिवाजी नगर में एक्सीलेंस स्कूल के सामने, लिंक रोड नंबर पर पर्यावरण संरक्षण की दिशा में कदम उठाते हुए पूर्व मंत्री पीसी. शर्मा व पार्षद गुड्डू चौहान ने वृक्षारोपण किया गया।

भोपाल। राजधानी के हबीबगंज क्षेत्र में पदस्थ नवागत एसीपी उमेश तिवारी को रेलवे के सेवानिवृत अधिकारियों एसके दुबे, एनके गुप्ता और अन्य ने मिलकर बधाइयां दी।

'एक पेड़ मां के नाम' अभियान में नवयुवक सभा ने किया पौधारोपण

हिरदाराम नगर। नवयुवक सभा ने 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के तहत एक महत्वपूर्ण पौधारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया। नवयुवक सभा द्वारा संचालित अनन्दराम टी. शाहानी विद्यालय, सिंधु माध्यमिक विद्यालय, और के.टी. शाहानी विद्यालय के विद्यार्थियों और प्रबंधन समिति के सदस्यों ने साधु वासवानी स्वायत महाविद्यालय परिसर में पौधे लगाए। इस अभियान का उद्देश्य केवल वृक्षारोपण करना नहीं है, बल्कि धरती माँ के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करना और आने वाली पीढ़ियों के लिए एक हरा-भरा भविष्य सुनिश्चित करना भी है। यह कार्यक्रम प्रकृति के साथ हमारे संबंध को मजबूत करने का एक दृढ़ संकल्प दर्शाता है। इस मौके पर, वासदेव वाधवानी, राजेश हिंगोरनी, सुरेश राजपाल, धर्मप्रकाश मोटवानी, दिनेश वाधवानी, और पुरषोतम टिलवानी, अनन्दराम टी. शाहानी ज्योति चौहान, हरिओम शर्मा, और प्रिया धर्मदासानी भी मौजूद थे।

संत कॉलेज में एनसीसी नामांकन के लिए फिटनेस टेस्ट आयोजित

हिरदाराम नगर, दोपहर मेट्रो

संत हिरदाराम गर्ल्स कॉलेज में बुधवार को नए एनसीसी कैडेट्स के नामांकन प्रक्रिया के तहत एक विस्तृत फिटनेस टेस्ट का आयोजन किया गया। यह 'जॉइन एनसीसी ड्राइव' 1 एमपी नेवल यूनिट एनसीसी, भोपाल के सक्रिय सहयोग और पर्यवेक्षण में सफलतापूर्वक संपन्न हुई।

इस अवसर पर, पीआई स्टाफ पीओसीओएम (टेल) प्रीतम सरकार और पीओ (जीएस) भानु प्रताप शर्मा उपस्थित रहे। उन्होंने युवाओं में अनुशासन और देशभक्ति की भावना को बढ़ावा देने के लिए कॉलेज प्रबंधन की इस पहल की सराहना की। फिटनेस टेस्ट में विभिन्न शारीरिक और व्यक्तित्व मूल्यांकन गतिविधियाँ शामिल थीं। इनमें दौड़, पुश-अप्स, क्रंचेस, ड्रिल, पोस्चर मूल्यांकन और साक्षात्कार जैसे परीक्षण किए गए। इन गतिविधियों का मुख्य उद्देश्य ऐसे

छात्रों की पहचान करना था जो शारीरिक रूप से फिट, सक्रिय और वास्तव में एनसीसी में शामिल होने के इच्छुक हैं। कॉलेज की प्राचार्या डॉ. डालिमा पारवानी ने प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए कहा कि केवल उन्हीं छात्राओं को एनसीसी में नामांकित किया जाएगा जो इच्छुक, अनुशासित और शारीरिक रूप से सक्षम हैं, ताकि भविष्य में वे उत्कृष्ट प्रदर्शन कर सकें। उन्होंने छात्राओं को देश के प्रति प्रेम और शत-प्रतिशत समर्पण की भावना रखने के लिए प्रेरित किया।

नवनिध स्कूल की एनसीसी कैडेट्स ने जीती ओवरऑल चैंपियनशिप ट्रॉफी

हिरदाराम नगर। नवनिध हासोमल लखानी पब्लिक स्कूल की 26 छात्राओंने 1 एमपी नेवल यूनिट एनसीसी के वार्षिक प्रशिक्षण शिविर में भाग लेकर ओवरऑल चैंपियनशिप ट्रॉफी अपने नाम की। इस प्रतिष्ठित शिविर में मप्र के स्कूल-कॉलेजों से लगभग 600 कैडेट्स ने अपनी सहभागिता दर्ज कराई थी। छात्राओं ने रस्साकशी, ग्रुप सॉन्ग, ग्रुप डांस, क्विज़, फायरिंग, तैराकी, ड्राइंग और अन्य प्रतियोगिताओं में शानदार प्रदर्शन किया। नीतू कुशवाहा ने इस विजयी दल को प्रशिक्षित किया था, जिनकी मेहनत और मार्गदर्शन का परिणाम है।

शारीरिक दिक्कतों से राहत की उम्मीद लेकर आरोग्य केन्द्र आए देशभर से लोग

भोपाल। आरोग्य केंद्र में आज से 10 दिवसीय प्राकृतिक चिकित्सा और प्रशिक्षण शिविर का शुभारंभ हुआ। देश के कई हिस्सों से आए साधक बिना दवा के स्वस्थ रहने की कला सीखेंगे, जिसमें योग, अपक्वाहार और शुद्धि क्रियाओं पर जोर दिया जाएगा। शिविर में अपक्वाहार, प्राकृतिक उपचार के साथ-साथ योगा, आयुर्वेदिक उपचार, फिजियोथैरेपी, एक्यूप्रेशर, एक्यूपंक्चर, शिरोधारा और पोटली मसाज जैसी पद्धतियों से लाभान्वित होने की उम्मीद लेकर आए हैं। शिविर का मुख्य उद्देश्य प्रतिभागियों को प्राकृतिक उपचार, योग, उपवास, एवं अपक्व आहार, रसाहार, फलाहार के माध्यम से हमेशा स्वस्थ रहने की कला सिखाना है। शिविर के पहले दिन प्रातः 7 बजे साधकों का पंजीकरण और प्राकृतिक चिकित्सकों द्वारा परामर्श किया गया। इसके बाद शाम 4 बजे से 5 बजे तक मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. दिनेश यादव ने व्याख्यान दिया।

मैट्रो एंकर

नगर निगम परिषद की लंबे समय से टल रही बैठक शुरू

इलाकों के नए नामकरण से बुनियादी मुद्दों तक दोनों तरफ से तैयारी

भोपाल, दोपहर मेट्रो

नगर निगम परिषद की लंबी प्रतीक्षा के बाद हो रही आज बैठक में कई मुद्दों पर पक्ष और विपक्ष के बीच टकराव और तर्क जारी है। आज एजेंडे में बरकतउल्ला यूनिवर्सिटी में 4.45 करोड़ रुपए से कुंड बनाने इसमें शेड, मॉनिटरिंग टॉवर, रिटेनिंग वॉल, पॉथ-वे, बाउंड्रीवॉल, हार्टिकल्चर ड्रेन कलवर्ट, इलेक्ट्रिफिकेशन एवं इंट्रेस गेटका प्रस्ताव नीलबड़ में 6.01 करोड़ रुपए, संजीव नगर में 4.77 करोड़ रुपए, मालीखेड़ा में 2.49 करोड़ रुपए और प्रेमपुरा में 7.34 करोड़ रुपए से कुंड बनाने पर चर्चा है। विपक्ष 'शहर सरकार' को घेरने की तैयारी में कई दिन से है और बैठक में इसकी तैयारी भी नजर आ रही है। नेता प्रतिपक्ष शबिस्ता जकी ने का हे कहा था कि बैठक में सड़क, पानी समेत कई मुद्दों पर चर्चा की जाएगी। दूसरी ओर लगातार बैठक देरी से होने का मुद्दा भी उठाया जाएगा। वहीं कांग्रेस पार्षद योगेंद्र सिंह चौहान 'गुड्डू' ने बैठक के पहले कहा दीनदयाल रसोई में 5 रुपए में खाना मिल रहा है। दूसरी ओर, टॉयलेट्स के रेट बढ़ाए जा रहे हैं। उन्होंने बताया, पिछले दिनों एमआईसी की

बैठक हुई थी। इसमें सुलभ इंटरनेशनल ने 25 स्थानों पर संचालित सार्वजनिक शौचालय में उपयोगकर्ता शुल्क दर 6 से बढ़ाकर 10 रुपए किए जाने की मंजूरी चाही थी। एमआईसी ने इस प्रस्ताव को पास कर दिया था। इसके बाद से ही कांग्रेस विरोध कर रही है।

परिषद की मीटिंग से पहले ईट रात बीजेपी पार्षद दल की बैठक में महापौर ने पार्षदों वाह एमआईसी मेंबर से रणनीति पर चर्चा की। दूसरी ओर, कांग्रेस पार्षद दल की बैठक में सत्ता पक्ष को घेरने की प्लानिंग बनाई है। वाह ये की परिषद की बैठक में इलाके और चौराहे का नाम बदलने के 2 प्रस्ताव भी है।पुराने शहर स्थित ओल्ड अशोका गार्डन का नाम बदलकर 'राम बाग' होगा, जबकि विवेकानंद पार्क के पास चौराहे का नाम 'विवेकानंद चौक' किया जाएगा। ये दोनों ही प्रस्ताव एमआईसी ने पास कर दिए हैं।

पहली बार नया साउंड सिस्टम

परिषद बैठक में अब सवाल-जवाब के दौरान मेयर, एमआईसी सदस्य और पार्षदों को झुकना नहीं पड़ेगा। दरअसल मीटिंग से पहले साउंड सिस्टम अपग्रेड किया गया है। पिछले 2 दिन से सिस्टम की टेस्टिंग भी की जा रही है। जबकि पहले बैठक में साउंड सिस्टम की वजह से कई बार बीच मीटिंग में रूकावट आती थी। इसलिए इसे ठीक करवाया गया है। वहीं, मेयर, एमआईसी सदस्य और पार्षदों की टेबल पर लगे माइक की लंबाई भी बढ़ाई गई है। मीटिंग हॉल में मेयर मालती राय, नेता प्रतिपक्ष शबिस्ता जकी और सभी एमआईसी सदस्य-पार्षदों के सवाल-जवाब के लिए माइक लगे हैं।

स्वच्छता की ट्राफी सीएम को सौंपी

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव से उज्जैन नगर निगम के महापौर मुकेश टटवाल और सभापति कलावति यादव सहित जनप्रतिनिधियों ने भेंट कर स्वच्छ उज्जैन के लिए भारत सरकार द्वारा प्रदत्त ट्रॉफी मुख्यमंत्री को सौंपी।

पीजी की सीटों पर प्रवेश देने के लिए 78 हजार विद्यार्थियों के सीटें आवंटित

भोपाल। प्रदेश के 1200 निजी और सरकारी कालेजों की पीजी की सीटों पर प्रवेश देने के लिए 78 हजार विद्यार्थियों के सीटें आवंटित की है। उच्च शिक्षा विभाग द्वारा चलाई जा रही ई-प्रवेश प्रक्रिया में करीब दो हजार विद्यार्थियों को यूजी से पीजी कोर्स में मेजर और माइनर विषय बदलने पर सीटें आवंटित हुई हैं। विभाग ने उनके दो दिन में साक्षात्कार भी कराए हैं। पीजी में प्रवेश लेने अभी तक करीब डेढ़ लाख विद्यार्थियों का पंजीयन हो चुका है। दो राउंड में करीब 48 हजार विद्यार्थियों ने प्रवेश ले लिया है। सिर्फ सीएलसी में प्रवेश के लिए करीब 55 हजार विद्यार्थियों का सत्यापन कराया था। आवंटन जारी होने के बाद विद्यार्थी 25 जुलाई तक फीस जमा कर प्रवेश ले पाएंगे।

कुसमारिया पिछड़ा वर्ग आयोग के अध्यक्ष, मौसम बिसेन बनीं सदस्य

दोहपर मेट्रो, भोपाल।

भाजपा के पूर्व सांसद डॉ. रामकृष्ण कुसमारिया को मप्र पिछड़ा वर्ग कल्याण आयोग का अध्यक्ष बनाया गया है। इस आयोग में पूर्व मंत्री गौरीशंकर बिसेन की बेटी मौसम बिसेन को सदस्य बनाया गया है। आयोग का गठन सितंबर 2021 में हुआ था। 2 सितंबर 2021 को जारी अधिसूचना के अनुसार इस आयोग का कार्यकाल दो साल के लिए तय किया गया था और आवश्यकता अनुसार कार्यकाल बढ़ाने की बात कही गई थी। इससे पहले 3 सितंबर 2021 को पूर्व मंत्री गौरीशंकर बिसेन को मप्र पिछड़ा वर्ग कल्याण आयोग का अध्यक्ष बनाया गया था। रामकृष्ण कुसमारिया इस आयोग के दूसरे अध्यक्ष हैं। पूर्व मंत्री गौरीशंकर बिसेन जिस आयोग के अध्यक्ष रहे उनकी बेटी को उसी आयोग में सदस्य बनाया गया है।

ओबीसी वर्ग को दो आयोग- मप्र में ओबीसी वर्ग के दो-दो आयोग हैं। मप्र राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग का गठन 1993 में किया गया था। जबकि कमलनाथ सरकार में वरिष्ठ अधिवक्ता जेपी धनोपिया को साल 2020 में मप्र राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग का अध्यक्ष बनाया गया था। लेकिन बाद में कमलनाथ सरकार गिर गई। हालांकि धनोपिया का कार्यकाल पूरा नहीं हुआ था ऐसे में वे कोर्ट चले गए। वहीं मप्र में ओबीसी को 27 फीसदी आरक्षण देने का मामला भी कोर्ट पहुंच गया। इसके बाद सितंबर 2021 में तत्कालीन सीएम शिवराज सिंह चौहान ने मप्र पिछड़ा वर्ग कल्याण आयोग का गठन कर गौरीशंकर बिसेन को अध्यक्ष बनाया और कोर्ट में ओबीसी को 27 प्रतिशत की रिपोर्ट पेश की।

दोनों आयोगों के कुसमारिया अध्यक्ष

ओबीसी विभाग के अधिकारियों का कहना है कि दोनों आयोगों के काम अलग हैं। डॉ रामकृष्ण कुसमारिया दोनों आयोगों के अध्यक्ष हैं।

मप्र में इंग्लिश भाषा के शिक्षकों को मिलेगा प्रशिक्षण

वर्ल्ड पॉवर चैम्पियनशिप में 10 लाख से अधिक स्कूली छात्रों ने की भागीदारी

दोहपर मेट्रो, भोपाल।

प्रदेश के सरकारी स्कूलों में इंग्लिश भाषा के शिक्षकों के प्रशिक्षण दिया जायेगा। स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा इसकी विशेष व्यवस्था की जा रही है। प्रशिक्षण के लिये भोपाल में एक राज्य स्तरीय शिक्षक प्रशिक्षण संस्थान इंग्लिश लर्निंग ट्रेनिंग इन्स्टीट्यूट (ईएलटीआई) कार्यरत है। यह संस्थान राज्य के समस्त शासकीय, प्राथमिक, माध्यमिक, उच्च और उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के शिक्षण संस्थानों में इंग्लिश भाषा संबंधी अकादमिक और प्रशिक्षण के क्षेत्र में मार्गदर्शन एवं सहयोग कर रहा है। ईएलटीआई संस्थान इंग्लिश भाषा अध्यापन क्षेत्र में सतत उन्नयन एवं स्तरीकरण के लिये हैदराबाद के इंग्लिश एवं विदेशी भाषा विश्वविद्यालय (ईएफएलयू) से सहयोग प्राप्त कर रहा है।

स्कूल शिक्षा विभाग ने प्रदेश के सरकारी सकूलों में इंग्लिश भाषा पढ़ाने वाले शिक्षकों के प्रशिक्षण पर विशेष जोर दिया है। प्रशिक्षण के लिये ईएलटीआई ने शिक्षण सत्र के लिये कैलेंडर तैयार किया है। संस्थान इंग्लिश भाषा के मूल्यांकन के लिये विभिन्न स्तरों के प्रश्न-पत्रों के निर्माण और अन्य विषय के प्रश्न-पत्रों के अनुवाद कार्य में भी सहयोग कर रहा है। इंग्लिश भाषा के शिक्षकों को प्रदेश के विभिन्न विश्वविद्यालयों से जुड़े डिप्लोमा कोर्स कराने के लिये उनकी चयन प्रक्रिया में भी सहयोग कर रहा है। प्रदेश के ग्रामीण एवं आदिवासी अंचलों में कार्यरत शिक्षकों के लिये प्रशिक्षण कार्यक्रम के आयोजन में संस्थान विशेष ध्यान दे रहा है। संस्थान समय-समय पर विभिन्न शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रमों की प्रभावशीलता के आकलन एवं मूल्यांकन के कार्यों को भी सतत रूप से कर रहा है।

इंग्लिश ओलम्पियाड

संस्थान ने पिछले वर्ष इंग्लिश विषय में कक्षा-2 से 8 के लिये संकुल, विकासखण्ड तथा जिला स्तरीय प्रतियोगिता के लिये ओलम्पियाड प्रश्न बैंक तथा प्रश्न-पत्रों का निर्माण किया था। पिछले वर्ष ओलम्पियाड में शामिल छात्रों की संख्या 10 लाख से अधिक रही। संस्थान ने माध्यमिक शालाओं में इंग्लिश विषय पढ़ाने वाले शिक्षकों के लिये आवश्यकता आधारित प्रशिक्षण के लिये मेन्युअल का भी निर्माण किया है। संस्थान ने राज्य द्वारा निर्मित कक्षा-1 से 8 तक की इंग्लिश की पाठ्य-पुस्तकों और एनसीईआरटी से जुड़ी कक्षा-9 से 12 तक की पाठ्य-पुस्तकों के निर्माण में समन्वय का कार्य भी किया है।

संपादकीय

साख पर कितने सवाल

प्रवर्तन निदेशालय यानी ईडी के नाम को आजकल कौन नहीं जानता, जिन्हें इस एजेंसी से वास्ता नहीं है वह भी इसका पूरा नाम जानने लगे हैं। इसके कामकाज का अपने नजरिये से आकलन भी करने लगे हैं। दरअसल इस एजेसी की कार्यप्रणाली को लेकर तथा इसकी असीमित जैसी शक्तियों के इस्तेमाल, पारदर्शिता की कमी और राजनीतिक दुरुपयोग जैसे सवाल उठते रहे हैं। ईडी पर विपक्षी दलों को निशाना बनाने और सत्ताधारी दल के सदस्यों के प्रति नरमी बरतने के आरोप भी लगते रहते हैं। इसके अलावा, ईडी की ओर से दर्ज मामलों में दोषसिद्धि की दर कम होने पर भी सवाल उठ चुके हैं। ये सवाल तब और गंभीर हो जाते हैं, जब कुछ मामलों में न्यायालय की ओर से भी जांच एजंसी की कार्यप्रणाली को संदेह की नजर से देखा जाता है। अब मद्रास उच्च न्यायालय ने एक मामले की सुनवाई के दौरान ईडी पर सख्त टिप्पणी की हैं, कोर्ट ने साफ कहा है कि ईडी कोई 'ड्रोन' नहीं है जो आपराधिक गतिविधि का पता चलते ही हमला कर दे। साथ ही यह तक कहा कि जांच एजेंसी एक अत्यधिक दक्ष पुलिस अधिकारी या सुपर कॉप की तरह नहीं है, जो उसके संज्ञान में आने वाली हर चीज की जांच करे। हर जांच वैसे तो हर एजेंसी की कार्यप्रणाली में कुछ न कुछ खामियां होती हैं, लेकिन जब सिलसिलेवार तरीके से सवाल उठने लगे तो यह दामन पर दाग लगने जैसा होता है। ईडी के पास धनशोधन जैसे आर्थिक अपराधों की जांच करने की शक्ति है। विपक्षी दल ऐसे आरोप लगाते रहे हैं कि राजनीतिक दबाव में जांच एजेंसी इस शक्ति का दुरुपयोग कर रही है। ईडी की शक्तियों से जुड़े एक मामले में सुप्रीम कोर्ट ने टिप्पणी की थी कि यदि जांच एजंसी के पास मौलिक अधिकार हैं तो उसे लोगों के अधिकारों के बारे में भी सोचना चाहिए। जांच के दौरान कानूनी सलाह देने या मुवक्किलों का प्रतिनिधित्व करने वाले वकीलों को ईडी द्वारा तलब किए जाने से जुड़े एक मामले में शीर्ष अदालत ने कहा कि ईडी सारी हदें पार कर रही है। इसके अलावा, कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धरमैया की पत्नी से संबंधित भूखंड आबंटन मामले में सुप्रीम कोर्ट ने चेताया है कि राजनीतिक लड़ाई मतदाताओं के सामने लड़ी जानी चाहिए, इसमें ईडी जैसी जांच एजंसियों को हथियार के रूप में इस्तेमाल नहीं किया जाना चाहिए। जाहिर है, लगातार उठते सवालों के बीच ईडी को अपनी कार्यप्रणाली में पारदर्शिता और निष्पक्षता के मानक सुनिश्चित कर राजनीतिक दबाव से मुक्त होकर काम करना चाहिए, ताकि उसकी साख को और ज्यादा बट्टा लगने से बचाया जा सके। हालांकि हर बार जब जब ईडी को नसीहत मिलती है तो लगता है कि अब उसकी कार्यप्रणाली में बदलाव आएगा लेकिन फिर कुछ ही दिन बाद वही सब नजर आने लगता है। निश्चित तौर पर किसी भी संस्था के प्रमुख की प्रतिबध्दता उसी संस्था की शुचिता के प्रति होना चाहिये, यदि ईडी के कामकाज में बाहरी हस्तक्षेप हैं तो यह भी तय है कि कहीं न कहीं संस्था के अफसरों की कोई कमजोरी या मजबूरी है। वैसे कई बार यह भी अजब संयोग लगता है कि चुनाव या किसी अन्य राजनीतिक घटनाक्रमों के बीच ईडी या सीबीआई की एंट्री हो जाती है, वैसे भी पहले से ईडी,सीबीआई या आयकर जैसी ताकतवर संस्थाओं के उपयोग पर कई तरह के सवाल खडे होते रहे हैं,लिहाजा इस बार की नसीहत को कितनी गंभीरता से लिया जाएगा,यह आने वाले वक्त में संस्था के एक्शन से जाहिर होगा।

राष्ट्रहित में नहीं भाषाई अस्मिता की जंग

■ विश्वनाथ सचदेव

पाकिस्तानी आतंकवादी कसाब को फांसी के फंदे तक पहुंचाने वाले एडवोकेट उज्ज्वल निकम को राष्ट्रपति ने राज्यसभा के लिए मनोनीत किया है। निकम के अनुसार यह सूचना उन्हें प्रधानमंत्री मोदी ने टेलीफोन पर संपर्क करके दी थी। प्रधानमंत्री ने फोन पर एडवोकेट निकम से कहा था, 'मी मराठी बोलूं का हिंदी?' इस पर निकम कुछ हंस दिये, पर प्रधानमंत्री ठहाका लगाकर हंसे थे। वैसे प्रधानमंत्री का मराठी में बोलना और निकम एवं मोदी जी का हंसना स्वाभाविक-सी बात है, पर हाल के दिनों में महाराष्ट्र में भाषा की जो राजनीति चल रही है उसे देखते हुए यह प्रकरण सामान्य से थोड़ा हटकर लग रहा है। प्रधानमंत्री द्वारा निकम के साथ मराठी में बोलने वाली यह बात जिस दिन अखबार में छपी, उस दिन एक अन्य समाचार भी अखबार के पहले पृष्ठ पर छपा था। यह समाचार मुंबई के उपनगर विरार का था, जहां उद्धव ठाकरे वाली शिवसेना के कुछ कार्यकर्ताओं ने एक रिक्शा वाले की इसलिए पिटाई कर दी कि वह मराठी में नहीं बोल पा रहा था- हिंदी में बोल रहा था। रिक्शा चालक उत्तर प्रदेश का था और शिवसेना के कार्यकर्ताओं का मानना था कि उसे अपनी कर्मभूमि की भाषा मराठी का अपमान करने का अधिकार नहीं है। महाराष्ट्र में मराठी न बोल पाना मराठी भाषा का अपमान कैसे हो गया, पता नहीं, पर प्रधानमंत्री द्वारा एडवोकेट निकम से मराठी में बोलना यह संकेत तो दे ही रहा है कि राज्य में भाषा को लेकर फिर से उठा यह विवाद अप्रिय स्थितियां उत्पन्न कर रहा है।

महाराष्ट्र में आकर जीविका कमाने वाले को राज्य की भाषा आनी चाहिए, इस बात से किसी को कोई एतराज नहीं होना चाहिए। सच बात तो यह है कि एक से अधिक भारतीय भाषाएं जानने वाले भारतीय को इस बात पर गर्व होना चाहिए कि वह बहुभाषी है। इसमें भी कोई संदेह नहीं कि भाषा अभिव्यक्ति का माध्यम मात्र नहीं है, भाषा हमारी अस्मिता है, पहचान है। हमारे संविधान में हिंदी को देश की राजभाषा का स्थान दिया गया है, लेकिन संविधान की आठवीं सूची में सम्मिलित की गयी सभी बाईस भाषाएं हमारी राष्ट्रभाषाएं हैं। सब पर हमें गर्व है। इनमें से किसी एक का भी अपमान समूची भारतीयता का अपमान है। अर्थात् स्वयं अपना अपमान। कोई क्यों करना चाहेगा भला अपना अपमान? सच तो यह है कि अपनी भाषाई विविधता पर हर भारतीय को गर्व होना चाहिए। भाग्यशाली हैं हम कि हमारे पास भाषाओं का इतना बड़ा खज़ाना है।हमारी कोशिश रहनी चाहिए कि यह अहसास हम सब में जगे। लेकिन यह भी एक पीड़ादायक सच्चाई है कि अक्सर भाषा को राजनीति का हथियार बनाया जाता है। महाराष्ट्र में इन दिनों चल रहे भाषाई-विवाद के पीछे भी कुछ ऐसी ही राजनीति है। कुछ अरसा पहले महाराष्ट्र सरकार ने शिक्षा-नीति में परिवर्तन संबंधी शासनादेश जारी किया था, जिसमें यह व्यवस्था की गयी थी कि प्राथमिक कक्षाओं में तीन भाषाएं पढ़ाई जाएं- मातृभाषा यानी मराठी, अंग्रेजी और हिंदी। महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) को यह राजनीतिक स्वार्थ साधने का अवसर दिखा। उसने इसे हिंदी-मराठी का विवाद बना दिया और

तरीका वही अपनाया जो बीस साल पहले आजमाया जा चुका था- यानी मराठी माणूस और मराठी अस्मिता की बात। साथ ही जोर-जबरदस्ती वाली नीति। उद्धव ठाकरे को भी इसमें अवसर दिख गया। मराठी के अपमान का नारा लगाकर राजनीति सधने लगी। राजनीतिक स्वार्थ का ही तकाज़ा था कि महाराष्ट्र सरकार को भी तीन भाषाओं वाला शासनादेश वापस लेना पड़ा। अब एक समिति बनाकर मामले को ठंडे बस्ते में डाल दिया गया है। पर मुद्दे की आंच ठंडी नहीं हुई। उज्ज्वल निकम से प्रधानमंत्री का हल्के-फुल्के अंदाज में पूछा गया भाषा वाला सवाल और विरार में रिक्शा चालक की पिटाई वाला प्रकरण इस बात का स्पष्ट संकेत है कि भाषाई-विवाद वाली राजनीति की आंच अभी सुलग रही है और इसे अभी और सुलगाया जायेगा। 'मनसे' और 'उबाठा' की कोशिश रहेगी कि मुंबई महानगरपालिका समेत राज्य में नगर निकायों के चुनाव तक यह आंच सुलगती रहे, ताकि उनकी राजनीति की रोटियां सिकती रहें। पहले भी समय-समय पर स्थानीय और पर प्रांतियों का मुद्दा राजनीति का हथियार बनता रहा है, अब भी बनेगा। इसका किसको कितना लाभ मिलेगा, यह तो भविष्य ही बतायेगा, पर भाषाई अस्मिता और प्रांतीयता के नाम पर लड़ी जा रही यह लड़ाई किसी भी दृष्टि से राष्ट्रीय हितों के अनुकूल नहीं कहीं जा सकती।

महाराष्ट्र की राजनीति में अपना स्थान खोजती 'मनसे' और अपना खोया स्थान फिर से प्राप्त करने की कोशिश में लगी उद्धव ठाकरे की शिवसेना को इस ताज़ा विवाद के सहारे जुड़ने का मौका भले ही मिल गया हो, पर राष्ट्रीय हितों को देखते हुए भाषाई अस्मिता के नाम पर लड़ी जा रही इस लड़ाई का समर्थन नहीं किया जा सकता। ऐसा नहीं है कि यह राजनीति और भाषा के नाम पर लड़ी जाने वाली लड़ाई सिर्फ महाराष्ट्र में ही हो रही है। देश के अन्य राज्यों, विशेषकर तमिलनाडु, कर्नाटक, असम आदि में भी इस तरह की विभाजनकारी प्रवृत्तियां समय-समय पर सिर उठाती रही हैं। इसलिए ज़रूरी है कि हमारे राजनेता अपनी राजनीति को चमकाने की इस राष्ट्र-विरोधी प्रवृत्ति से उबरें।

यह राष्ट्र हम सब का है। हम यानी हम सब भारतीयों का। हमारा संविधान देश के हर नागरिक को देश में कहीं भी जाने-बसने का अधिकार देता है। भाषा, धर्म, जाति आदि के नाम पर देश के किसी भी नागरिक से उसके वे अधिकार छीनने की कोशिश स्वीकार्य नहीं हो सकती जो संविधान ने उसे दिये हैं।

यह सही है कि देश की सारी भाषाएं हम सब की हैं फिर भी क्षेत्र-विशेष की अपनी मातृ-भाषा के प्रति अनुराग और गर्व का भाव होना ग़लत नहीं कहा जा सकता। पर हमारी भाषाएं हमारे आंगन की दीवार नहीं हैं, पुल हैं हमारी भाषाएं जो हमें एक-दूसरे से जोड़ती हैं। यहीं इस बात को भी समझना ज़रूरी है कि हिंदी को मात्र इसी आधार पर राजभाषा का दर्जा दिया गया था कि देश की बहुत बड़ी आबादी हिंदी बोलती-समझती है। जहां तक प्राचीनता और समृद्धि का सवाल है तमिल, बांग्ला, मराठी आदि भाषाएं हिंदी से कहीं अधिक समृद्ध हैं। अपनी सब भाषाओं के प्रति हम में आदर का भाव होना चाहिए। इसी आदर का यह भी तकाज़ा है कि हम किसी को इसलिए 'सज़ा' का पात्र न मान लें कि वह हमारी भाषा नहीं जानता। पिछले कुछ दिनों में मुंबई में भाषा के जानने, न जानने को लेकर जिस तरह मारपीट की घटनाएं हुई हैं उन्हें नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। कोई किसी भाषा को नहीं जानता इसका यह अर्थ कदापि नहीं लगाना चाहिए कि वह उस भाषा का अपमान कर रहा है। किसी भाषा को न सीख पाने के भी कई कारण हो सकते हैं। कोशिश तो यह होनी चाहिए कि हम जितनी भाषाएं सीख सकें, सीखें। विनोबा भावे अनेक भाषाएं जानते थे, 46 वर्ष की आयु में उन्होंने अरबी और फारसी सीखी थी। जीवन के अंतिम दिनों में वह जापानी भाषा सीख रहे थे! मराठी उनकी मातृभाषा थी पर उन्होंने कभी किसी से अपेक्षा नहीं की कि वह उनकी भाषा में पारंगत हो। हां, वे स्वयं अवश्य कई भाषाओं में पारंगत हो गये थे।बहरहाल, भाषा के नाम पर जिस तरह देश में द्वेष का वातावरण पनप रहा है, वह किसी भी विवेकशील नागरिक की चिंता का विषय होना चाहिए। किसी रिक्शा वाले को, किसी दुकानदार को, किसी सरकारी कर्मचारी को 'कान के नीचे बजाने' की भाषा में धमकी देना किसी भी दृष्टि से सही नहीं ठहराया जा सकता। भाषा की अपनी मर्यादा होती है उसका पालन होना ही चाहिए। भाषा के नाम पर की जाने वाली राजनीति को भी स्वीकार नहीं किया जा सकता, इस राजनीति की भर्त्सना ज़रूरी है। आज भाषा के नाम पर महाराष्ट्र में जो कुछ रहा है, उसके औचित्य पर सवालिया निशान लगना ही चाहिए और उत्तर हर विवेकशील नागरिक को देना है।

(साभार : यह लेखक के निजी विचार हैं)

प्रखर वक्ता, संवैधानिक विशेषज्ञ और विवादों से चोली-दामन का साथ

■ जयसिंह रावत

जगदीप धनखड़ का सफर एक वकील के रूप में शुरू हुआ। 1979 में राजस्थान बार काउंसिल में नामांकन के बाद, उन्होंने 1990 में राजस्थान उच्च न्यायालय में वरिष्ठ अधिवक्ता के रूप में अपनी पहचान बनाई। संवैधानिक कानून में उनकी विशेषज्ञता ने उन्हें सुप्रीम कोर्ट में एक प्रमुख वकील बनाया।

अपनी बेवाक टिप्पणियों से सुर्खियां बटोरने वाले उप राष्ट्रपति जगदीप धनखड़ सोमवार को संसद के मानसून सत्र के पहले ही दिन अचानक इस्तीफा देकर देश की राजनीती में भारी भूचाल पैदा कर गए। हालांकि, उनसे पहले भी दो उप राष्ट्रपतियों ने कार्यकाल पूरा होने से पहले ही इस्तीफे थे, लेकिन उनके इस्तीफे राष्ट्रपति चुनाव लड़ने के लिए थे। जगदीप धनखड़ एक प्रखर वक्ता, संवैधानिक विशेषज्ञ और लोकतंत्र के प्रबल समर्थक के रूप में जाने जाते हैं।राजस्थान के झुंझुनू जिले के किठाना गांव में 18 मई 1951 को जन्मे धनखड़ ने अपने करियर में कई महत्वपूर्ण भूमिकाएं निभाईए जैसे वकील, सांसद,केन्द्र में मंत्री, राज्यपाल, राज्यसभा सभापति और उपराष्ट्रपति के रूप में। हालांकि, उनके बयानों और निर्णयों ने अक्सर विवादों को जन्म दिया, जिसने उन्हें सुर्खियों में रखा। जगदीप धनखड़ का सफर एक वकील के रूप में शुरू हुआ। 1979 में राजस्थान बार काउंसिल में नामांकन के बाद, उन्होंने 1990 में राजस्थान उच्च न्यायालय में वरिष्ठ अधिवक्ता के रूप में अपनी पहचान बनाई। संवैधानिक कानून में उनकी विशेषज्ञता ने उन्हें सुप्रीम कोर्ट में एक प्रमुख वकील बनाया। उन्होंने हरियाणा जैसे राज्यों का सतलुज नदी जल विवाद में प्रतिनिधित्व किया और राजस्थान उच्च न्यायालय बार एसोसिएशन के अध्यक्ष के रूप में भी कार्य किया। राजनीति में प्रवेश के साथ, धनखड़ ने 1989 में झुंझुनू से लोकसभा सांसद के रूप में अपनी शुरुआत की और 1990 में चंद्रशेखर सरकार में संसदीय कार्य राज्य मंत्री रहे। 1993 से 1998 तक वे राजस्थान विधानसभा के सदस्य रहे। 2019 में पश्चिम बंगाल के राज्यपाल और 2022 में भारत के उपराष्ट्रपति बनने तक, उन्होंने विभिन्न संवैधानिक पदों पर अपनी छाप छोड़ी। उनकी वक्तृत्व कला और संवैधानिक ज्ञान ने उन्हें एक प्रभावशाली व्यक्तित्व बनाया। उपराष्ट्रपति के रूप में, उन्होंने संसद के संयुक्त सत्र को संबोधित किया, संस्कृत के उपयोग को बढ़ावा दिया और आयुर्वेद जैसी प्राचीन चिकित्सा पद्धतियों का समर्थन किया।

पश्चिम बंगाल के राज्यपाल (2019-2022) के रूप में धनखड़ का कार्यकाल विवादों से भरा रहा। तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) सरकार के साथ उनके मतभेद सुर्खियों में रहे। कानून-व्यवस्था, चुनाव के बाद हिंसा, भ्रष्टाचार और विश्वविद्यालयों में कुलपति नियुक्तियों जैसे मुद्दों पर उन्होंने

टीएमसी सरकार की खुलकर आलोचना की।

उदाहरण के लिए, 2019 में धनखड़ ने टीएमसी सरकार के खिलाफ ट्विटर पर अपनी आलोचना शुरू की, जिसके जवाब में मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने उन्हें पत्र लिखकर उनकी टिप्पणियों को अनुचित बताया। 2022 में, टीएमसी सरकार ने राज्यपाल को विश्वविद्यालयों के कुलपति पद से हटाकर मुख्यमंत्री को यह जिम्मेदारी सौंप दी, जो एक बड़ा विवाद बना। धनखड़ पर विधायी प्रक्रियाओं में देरी का आरोप भी लगा, जैसे कि महत्वपूर्ण विधेयकों को मंजूरी देने में विलंब। उपराष्ट्रपति के रूप में, धनखड़ स्वतः राज्यसभा के सभापति बने। इस भूमिका में, उनके और विपक्ष के बीच तनावपूर्ण संबंध कई बार चर्चा में रहे। 2022 के शीतकालीन सत्र में, उन्होंने राष्ट्रीय न्यायिक नियुक्ति आयोग को रद्द करने वाले 2015 के सुप्रीम कोर्ट के फैसले को ''संसदीय संप्रभुता का गंभीर उल्लंघन'' बताया, जिसने विपक्ष की तीखी प्रतिक्रिया को जन्म दिया।

2023 में, संसद सुरक्षा उल्लंघन पर गृह मंत्री अमित शाह के बयान की मांग को लेकर 146 सांसदों के निलंबन ने विवाद को और बढ़ाया। विपक्ष ने धनखड़ पर पक्षपात का आरोप लगाया, दावा किया कि वे सत्तारूढ़ दल के पक्ष में कार्य कर रहे थे। 2024 में, विपक्ष ने उनके खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लाने की कोशिश की, जिसमें उन पर विपक्षी सांसदों को दबाने और सत्तारूढ़ दल को तरजीह देने का आरोप था। हालांकि, यह प्रस्ताव संख्याबल के अभाव में पारित नहीं हुआ। धनखड़ के कुछ सबसे चर्चित विवाद सुप्रीम कोर्ट और न्यायपालिका से जुड़े रहे। अप्रैल 2025 में, सुप्रीम कोर्ट ने राज्य विधानसभाओं द्वारा पारित विधेयकों को मंजूरी देने के लिए राष्ट्रपति और राज्यपालों के लिए समयसीमा निर्धारित की। धनखड़ ने इस फैसले की आलोचना करते हुए कहा कि यह ''न्यायिक अतिक्रमण'' है और अनुच्छेद 142 (जो सुप्रीम कोर्ट को पूर्ण न्याय के लिए विशेष शक्तियां देता है) को ''लोकतांत्रिक शक्तियों के खिलाफ परमाणु मिसाइल'' बताया उन्होंने तर्क दिया कि संसद सर्वोच्च है और निर्वाचित प्रतिनिधि ही संविधान के अंतिम स्वामी हैं। उन्होंने यह भी सवाल उठाया कि क्या न्यायाधीश, जो जवाबदेही से मुक्त हैं, विधायिका और कार्यपालिका की भूमिका निभा सकते हैं। उनकी इन टिप्पणियों की विपक्ष ने तीखी आलोचना की। राज्यसभा सांसद कपिल सिब्बल ने कहा कि ऐसी टिप्पणियां ष्असंवैधानिकष् हैं और राज्यसभा सभापति को तटस्थ रहना चाहिए। इसके अतिरिक्त, धनखड़ ने दिल्ली उच्च न्यायालय के पूर्व न्यायाधीश यशवंत वर्मा के आवास से जली हुई नकदी की बरामदगी के मामले में जांच प्रक्रिया पर सवाल उठाए। उन्होंने पूछा कि क्या न्यायाधीश देश के नागरिकों और संविधान के प्रति जवाबदेह नहीं हैं।

धनखड़ के कुछ बयानों को सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) की विचारधारा का समर्थन करने वाला माना गया। उदाहरण के लिए, जुलाई 2024 में, उन्होंने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की निर्विवाद साख की प्रशंसा की, जिसे विपक्ष ने पक्षपातपूर्ण माना। 2025 में, उन्होंने कांग्रेस द्वारा गृह मंत्री अमित शाह के खिलाफ लाए गए विशेषाधिकार हनन प्रस्ताव को खारिज कर दिया, जिससे विपक्ष और भड़क गया। विपक्ष ने दावा किया कि धनखड़ की टिप्पणियां और निर्णय अक्सर बीजेपी के पक्ष में झुके हुए थे, जिससे उनकी निष्पक्षता पर सवाल उठे। दूसरी ओर, उनके समर्थकों का कहना है कि उनकी बेबाक टिप्पणियां संवैधानिक मूल्यों और राष्ट्रीय हित की रक्षा के लिए थीं। जगदीप धनखड़ का राजनीतिक और संवैधानिक सफर उपलब्धियों और विवादों का मिश्रण रहा है। एक वकील से उपराष्ट्रपति तक, उन्होंने अपनी बौद्धिक क्षमता और प्रखर वक्तृत्व से भारतीय लोकतंत्र में महत्वपूर्ण योगदान दिया। उनके द्वारा संस्कृत, आयुर्वेद और महिला सशक्तिकरण जैसे मुद्दों को बढ़ावा देना उनकी सकारात्मक छवि को दर्शाता है।

हालांकि, उनके बेबाक बयानों और निर्णयों ने उन्हें बार-बार विवादों के केंद्र में ला खड़ा किया। पश्चिम बंगाल में टीएमसी सरकार के साथ टकराव, राज्यसभा में विपक्ष के साथ तनाव और सुप्रीम कोर्ट पर उनकी टिप्पणियों ने उनकी निष्पक्षता पर सवाल उठाए। फिर भी, उनके समर्थकों का मानना है कि उनकी आलोचनाएँ संवैधानिक संतुलन और संसदीय संप्रभुता को बनाए रखने के लिए आवश्यक थीं। 2025 में स्वास्थ्य कारणों से उनके इस्तीफे ने उनके कार्यकाल को और चर्चा में ला दिया। धनखड़ की विरासत को लेकर मतभेद बने रहेंगे, लेकिन यह निर्विवाद है कि उन्होंने भारतीय राजनीति में एक अमिट छाप छोड़ी। उनकी बेबाकी, संवैधानिक ज्ञान और लोकतंत्र के प्रति समर्पण उन्हें एक ऐसे व्यक्तित्व के रूप में याद रखा जाएगा, जिसने हमेशा अपने विचारों को बिना किसी डर के व्यक्त किया।

(साभार : यह लेखक के निजी विचार हैं)

जो अपने नियम नहीं बनाता उसे दूसरों के बनाये नियमों पर चलना पड़ता है।
- हरिभाऊ उपाध्याय

आज का इतिहास

- 1701 - फ्रांसीसी खोजकर्ता एंटोनी डी ला मोटे कैडिलैक ने डेट्रायट शहर की नींव रखी।
- 1783 - जॉर्जिया को रूसी साम्राज्य के संरक्षक के रूप में स्थापित किया गया।
- 1830 - चिली में दास प्रथा का पूर्णतः अंत हुआ।
- 1860 - भारत में पहली बार आयकर कानून लागू किया गया और 2010 से इस दिन को राष्ट्रीय आयकर दिवस के रूप में मनाया जा रहा है।
- 1870 - अमेरिका में पहली इंटरकॉन्टिनेंटल रेल सेवा शुरू हुई।
- 1911 - हैरम बेहन ने माचू पिचू के खंडहरों की खोज की।
- 1915 - शिकागो में ईस्टलैंड स्टीमर हादसे में 844 लोगों की मौत।
- 1923 - लॉज़ेन संधि पर हस्ताक्षर, जिससे आधुनिक तुर्की की सीमाओं की स्थापना हुई।
- 1932 - रामकृष्ण मिशन सेवा प्रतिष्ठान की स्थापना की गई।
- 1943 - द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान जर्मनी के हैम्बर्ग शहर पर आरएएफ का भारी बमबारी हमला (ऑपरेशन गोमोरा)।
- 1969 - अपोलो-11 सफलतापूर्वक प्रशांत महासागर में उतरा था
- 1977 - चार दिवसीय लिबिया-मिस्र युद्ध शुरू हुआ।
- 1982 - जापान के नागासाकी में बारिश के कारण पुल ढहने से 299 लोगों की मौत।
- 1989 - लोकसभा से अधिकतर विपक्षी सांसदों ने त्यागपत्र दिया।
- 1991 - तत्कालीन प्रधानमंत्री पी. वी. नरसिम्हा राव और वित्त मंत्री डॉ मनमोहन सिंह ने भारत में आर्थिक उदारीकरण की ऐतिहासिक शुरुआत की। यह दिन आधुनिक भारत के आर्थिक इतिहास में मील का पत्थर माना जाता है।
- 1999 - अमेरिकी अंतरिक्ष यान कोलंबिया सफलतापूर्वक प्रक्षेपित किया गया।

निशाना

कौन होगा अगला ?

-कृष्णेन्द्र राय

हो गया इस्तीफा।
मचा है भारी शोर।।
कौन होगा अगला ?
है चिंतन चहुंओर।।
राजनीतिक संकट है या।
ये घटना सामान्य ?
रहे जो विरोधी हैं।
नहीं ये उनको मान्य।।
बदल गया अचानक।
घटनाक्रम इस बार।।
ठीक न रहता स्वास्थ्य।
दौड़ रहे विचार।।
पक रही क्या खिचड़ी।
आने में अभी देर।।
छंट जाएंगे बादल।
होगी फिर सबेर।।

कवियों ने बांधा समां, श्रोता भाव विभोर

नर्मदपुरम। चन्द्रशेखर आजाद जयंती के अवसर पर काव्य महोत्सव का आयोजन नर्मदा आव्हान सेवा समिति व्दारा आचार्य पं. सोमेश परसाई के मुख्य आतिथ्य व वरिष्ठ साहित्यकार नित्य गोपाल कटारे की अध्यक्षता में संपन्न हुआ। इस दौरान विशिष्ट अतिथियों के रूप में नर्मदापुरम नगर पालिका अध्यक्ष नीतू यादव शंकर बटोही नपा सभापति, पार्षद निर्मला राय की उपस्थिति रही। सर्वप्रथम माता सरस्वती जी का पूजन कर दीप प्रज्जवलित कर आयोजन का शुभारंभ किया गया। नर्मदा आव्हान सेवा समिति के संस्थापक एवं आयोजन प्रमुख केप्टिन किशोर करैया तथा हंस राय ने सभी मंचासीन अतिथियों का शाल श्रीफल एवं पुष्पहार व्दारा अभिनंदन किया। तत्पश्चात स्वागत भाषण में कैप्टन किशोर करैया ने संस्था की उपलब्धियों तथा उद्देश्य से परिचित कराया।

समस्याओं का निराकरण करने की मांग

इटारसी। नगर के न्यास कॉलोनी क्षेत्र में बदतर होती स्वच्छता और जल निकासी व्यवस्था को लेकर वार्ड पार्षद व सभापति अमृता मनीष ठाकुर ने नगर पालिका परिषद पर गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने नगर पालिका प्रशासन को सीधे तौर पर लापरवाही और निष्क्रियता का जिम्मेदार ठहराते हुए तत्काल प्रभावी कदम उठाने की मांग की है। पार्षद ठाकुर ने बताया कि हालिया बरसात ने नगर पालिका के स्वच्छता दावों की पोल खोल दी है। खासकर न्यास कॉलोनी में मामूली बारिश से भी जलभराव और गंदगी का अंबार लग जाता है। पत्र में कहा कि न्यास कॉलोनी क्षेत्र में तत्काल विशेष सफाई, अभियान चलाकर जलभराव की समस्या को दूर किया जाए, सभी नालियों और चेंबरों से तत्काल अतिक्रमण हटाया जाए, अतिक्रमण विरोधी दस्ते की कार्यवाही की विस्तृत जानकारी पार्षदों को उपलब्ध कराई जाए एवं स्वच्छता अभियान की समीक्षा बैठकें आयोजित की जाएं।

वित्तीय समावेशन संतृप्ति अभियान चलाएंगे

नर्मदापुरम। सरकार ने एक जुलाई से 30 सितंबर, 2025 तक एक राष्ट्रव्यापी वित्तीय समावेशन संतृप्ति अभियान शुरू किया है। अभियान के तहत ग्रामीण क्षेत्रों में पंचायतों और शहरी स्थानीय निकायों में सभी पात्र नागरिकों को शासन की योजनाओं का लाभ पहुंचाने के मकसद से जिले की 427 ग्राम पंचायतों में अभियान चलाया जाएगा। इसी के तहत समीपस्थ ग्राम सांवलखेड़ा में कार्यक्रम आयोजित किया गया। अग्रणी बैंक सेंट्रल बैंक आफ इंडिया के क्षेत्रीय प्रमुख रजत मिश्रा ने अतिथियों का पुष्पगुच्छ भेंट कर स्वागत किया व कार्यक्रम की प्रस्तावना रखीं। वहीं इस मौके पर मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद आरबीआई की रीजनल डायरेक्टर रेखा चंदनवेली ने कहा कि राष्ट्रव्यापी अभियान के तहत लोगों को वित्तीय समावेश, विकास और साक्षरता को लेकर जागरूक किया जा रहा है। वित्तीय समावेशन में वृद्धि, जरूरतमंद लोगों को वित्तीय सेवाओं तक पहुंच, सामाजिक-आर्थिक समावेशन को बढ़ावा दिया जा रहा है।

सोशल मीडिया से सावधान रहें : एसपी

गुना. एसपी अंकित सोनी एक निजी स्कूल जा पहुंचे। वह अपने अमले के साथ क्राईस्ट स्कूल पहुंचे। जिसमें उनके साथ सीएसपी प्रतिभा मिश्रा, रक्षित निरीक्षक पूजा उपाध्याय के साथ सिटी कोतवाली प्रभारी सीपीएस चौहान और अमला मौजूद रहा । इस दौरान एसपी अंकित सोनी ने छात्र-छात्राओं की गतिविधियों को देखा और छात्राओं द्वारा दी गई प्रस्तुति को सराहा। इस प्रस्तुति में छात्र छात्राओं द्वारा दी गई सबसे खास प्रस्तुति सोशल मीडिया के इस्तेमाल को लेकर थी। जिसमें इसके नुकसान और वर्तमान में छात्र-छात्राओं को इसकी चपेट में आने के बारे में बताया गया था। वहीं इस सोशल मीडिया की प्रस्तुति में इसकी लत के बारे में और वर्तमान समय में परिजनों को अपने बच्चों को समय न दे पाने को लेकर बताया गया था। इस दौरान एसपी अंकित सोनी ने पुलिस द्वारा चलाए जा रहे जनजागरूकता अभियान नशे से दूरी है जरूरी पर भी बात की। वर्तमान में युवा पीढ़ी और छात्र-छात्राएं तेजी से नशे की लत का शिकार हो रहे हैं, उन्हें जागरुक कर नशे से बचाना जरूरी है।

धारदार हथियार से दो युवक घायल

इटारसी। दो अलग अलग घटनाओं में दो युवक घायल हुए हैं। एक युवक पर चाकू से हमला हुआ है तो दूसरे युवक पर हंसिये से हमला हुआ। दोनों को गंभीर चोट आई हैं। गुरुनानक दाल मिल के पास धारदार वस्तु से हमले की घटना में एक युवक घायल हो गया। उसे गंभीर हालात में निजी अस्पताल में उपचार के लिए भर्ती किया है, जहां उसे आईसीयू में उपचार दिया जा रहा है। टीआई गौरव बुंदेला के अनुसार पुलिस की टीम डॉक्टर से संपर्क में है, मामले की जानकारी जुटाई जा रही है। हमला करने वाले युवक का नाम रोहित कुचबंदिया बताया जा रहा है। यहां पीड़ित का कहना है कि उस पर चाकू से हमला किया है। आरोपी ने पुलिस को बताया कि बाइक से पानी के छींटे उछलकर कपड़ों पर आने से विवाद होने पर देवीदास पिता उत्तम भदौरिया ने उसे गालियां दी थीं तो उसने टाइल्स मारी है, जो उसकी पीठ तथा पेट और जांघ के बीच लगा है। पीड़ित पक्ष ने पुलिस से आरोपी के भाई, चाची और भाभी के भी शामिल होने की शिकायत की है। टीआई ने बताया कि आरोपी पर पूर्व में भी प्रकरण दर्ज हैं।

भाजपा मंडल की बैठक में की चर्चा

इटारसी। भारतीय जनता पार्टी नगर मंडल पुरानी इटारसी के आगामी कार्यक्रम एवं देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कार्यक्रम को प्रत्येक बूथ पर बूथ समिति के साथ मिलकर सुनना है। उस संबंध में शक्ति केंद्र संयोजक सह सयोजक मंडल पदाधिकारी की महत्वपूर्ण बैठक अभिनंदन मैरिज हॉल पुरानी इटारसी में सम्पन्न हुई। जिसमें मुख्य वक्ता पीयूष शर्मा,मंडल प्रभारी जिला उपाध्यक्ष आशुतोष शरण शर्मा ,जिला मंत्री उमेश पटेल ,जिला मंत्री ज्योति चौरे,पिछड़ा वर्ग मोर्चा जिला अध्यक्ष जयकिशोर चौधरी ,वरिष्ठ नेता पंकजमणि पहाड़िया ,मंडल अध्यक्ष मयंक मेहतो,मंडल महामंत्री अतुल शुक्ला, मंडल उपाध्यक्ष सौरभ राजपूत,वीरेंद यादव,बिपुल चौधरी,गोविंद मेहतो, संदीप राय,प्रमोद मालवीय,भगवान दास कटारे आदि कार्यकर्ता मौजूद रहे।

अनुपयोगी मटेरियल से थीम सफारी तैयार करने का हुआ प्रजेंटेशन

गुना को स्मार्ट सिटी बनाने की पहल बिजली बचाने सोलर लाइट का प्लान

शफीक खान। गुना

चंबल-मालवा का प्रवेश द्वार कहे जाने वाले गुना की तस्वीर अब बदलने जा रही है। अब इस शहर को भी स्मार्ट सिटी बनाए जाने को लेकर योजना बन रही है। जिसके लिए कलेक्टर किशोर कुमार कन्याल ने जनप्रतिनिधियों के साथ एक बैठक बुलाई। शहर के दो प्रमुख प्रवेश द्वारों के नामकरण को लेकर भी जनप्रतिनिधियों से सुझाव मांगे गए हैं।

बता दें कि गुना शहर के सौंदर्यीकरण को लेकर कलेक्टर किशोर कुमार कन्याल की अध्यक्षता में महत्वपूर्ण बैठक हुई। इस दौरान ग्वालियर में विकसित सफारी प्रोजेक्ट की प्रस्तुति यविदो कंपनी के नितिन मेहता ने दी। उन्होंने बताया कि ग्वालियर में अनुपयोगी मटेरियल से कैसे एक थीम सफारी तैयार की गई है। इस दौरान पहले और बाद के फोटो और एक फीचर फिल्म के जरिए पूरा मॉडल समझाया गया। इस बैठक में गुना शहर को सुंदर और स्मार्ट बनाने की योजनाओं पर विस्तार से चर्चा की गई। खासकर शहर की फोरलेन रोड के रिडिजाइन को लेकर चर्चा हुई, जिसमें रोड के दोनों तरफ के मार्गों पर पौधरोपण और स्मार्ट बस स्टॉप शामिल हैं। रोड पर वाटर ड्रेनेज सिस्टम भी तैयार किया जाएगा, ताकि बारिश के दौरान पानी नहीं भरे।

बिजली की बचत होगी और पर्यावरण को नुकसान भी नहीं

इसके साथ ही ट्रैफिक सिग्नल, क्रॉसिंग और स्मार्ट मोबिलिटी से जुड़ी व्यवस्थाओं को अपग्रेड करने का प्लान भी सामने रखा गया। सड़कों की लाइटिंग अब सोलर सिस्टम से की जाएगी, जिससे बिजली की बचत होगी और पर्यावरण को नुकसान भी नहीं होगा। कलेक्टर कन्याल ने बैठक के दौरान शहर के दो प्रमुख प्रवेश द्वारों के सौंदर्यीकरण की योजना साझा की। उन्होंने सभी उपस्थित जनप्रतिनिधियों से इन दोनों द्वारों के लिए तीन-तीन नामों का सुझाव देने को कहा, जिससे आने वाले समय में इनका नाम रखा जा सके। बैठक में जिला पंचायत अध्यक्ष अरविंद धाकड़, उपाध्यक्ष सारिका लुम्बा, नगरपालिका उपाध्यक्ष धरम सोनी, पूर्व विधायक राजेंद्र सिंह सलूजा, डिप्टी कलेक्टर एवं प्रभारी सीएमओ सुश्री मंजुषा खत्री, परियोजना अधिकारी संजय श्रीवास्तव समेत अन्य जनप्रतिनिधि और विभागीय अधिकारी मौजूद रहे।

भोपाल मंडल वाणिज्य प्रबंधक ने कैटरिंग लाइसेंसियों के साथ की बैठक

इटारसी रेलवे स्टेशन पर खानपान सेवाओं की गुणवत्ता सुधार हेतु प्रशासन की पहल

इटारसी। दोपहर मेट्रो

यात्रियों को बेहतर खानपान सुविधा उपलब्ध कराने एवं मिल रही शिकायतों में कमी लाने के उद्देश्य से पश्चिम मध्य रेलवे, भोपाल मंडल के इटारसी स्टेशन पर एक अहम बैठक का आयोजन किया गया। वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक सौरभ कटारिया के मार्गदर्शन में, मंडल वाणिज्य प्रबंधक पंकज कुमार दुबे द्वारा बुधवार को स्टेशन पर उपलब्ध यात्री सुविधाओं का जायजा लिया गया। एक बैठक स्टेशन प्रबंधक कार्यालय में आयोजित की गई।

बैठक में इटारसी स्टेशन पर कार्यरत सभी खानपान लाइसेंसियों एवं उनके प्रतिनिधियों को आमंत्रित किया गया था। बैठक का मुख्य उद्देश्य सोशल मीडिया एवं प्रत्यक्ष शिकायतों के माध्यम से प्राप्त फीडबैक को ध्यान में रखते हुए खानपान सेवाओं में आवश्यक सुधार लाना था। मंडल वाणिज्य

प्रबंधक दुबे ने सभी प्रतिनिधियों को निर्देशित किया कि वे रेल प्रशासन द्वारा निर्धारित अनुबंध शर्तों का पूर्ण रूप से पालन करें। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि यात्री संतुष्टि रेलवे की सर्वोच्च प्राथमिकता है और किसी भी प्रकार की लापरवाही पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी। बैठक में प्रमुख रूप से जिन बिंदुओं पर चर्चा की गई उनमें स्टॉल संचालन केवल निर्धारित स्थल पर किया जाए,खुले खाद्य पदार्थों की बिक्री पर रोक हो, सभी वेंडर पूर्ण गणवेश, परिचय पत्र एवं अधिकृत दस्तावेजों के साथ ही प्लेटफार्म पर कार्य करें, खाद्य सामग्री प्लेटफॉर्म पर रखकर न बेची जाए, स्वच्छता का विशेष ध्यान रखा जाए, यात्रियों से सम्मानपूर्वक व्यवहार हो, निर्धारित दर पर ही सामग्री बेची जाए और ओवर चार्जिंग की स्थिति में तत्काल दंडात्मक कार्यवाही शामिल हैं।इस अवसर पर रेलवे प्रशासन की ओर से मंडल वाणि'य निरीक्षक उत्कर्ष अग्रवाल, स्टेशन प्रबंधक (वाणिज्य) राजीव गौहर, मुख्य खानपान निरीक्षक हेमराज मीना, स्टेशन प्रबंधक (परिचालन) सुधेंदु राय एवं मुख्य टिकट निरीक्षक प्रवीण पुरोहित उपस्थित रहे। रेलवे प्रशासन ने सभी लाइसेंसधारकों से सहयोग की अपेक्षा जताते हुए यात्रियों को गुणवत्तापूर्ण एवं अनुशासित सेवा प्रदान करने की अपील की है।

डोलरिया की हथेड़ नदी उफान पर

नर्मदापुरम-हरदा मुख्य मार्ग पर आवागमन ठप

सिवनी/मालवा। क्षेत्र में लगातार बारिश के चलते जनजीवन बुरी तरह प्रभावित हो गया है। क्षेत्र के कई गाँवों में जलभराव की स्थिति उत्पन्न हो गई है, वहीं नदी-नालों के उफान पर आने से कई मार्ग पूरी तरह से बंद हो गए हैं। डोलरिया क्षेत्र की हथेड़ नदी उफान पर आ गई है, जिससे नर्मदापुरम-हरदा मुख्य मार्ग बाधित हो गया है। पुल पर पानी होने के कारण दोनों ओर वाहनों की लंबी कतारें लग गई हैं और यातायात पूरी तरह ठप हो गया है। इसी तरह, इटारसी से सिवनी मालवा को जोड़ने वाला मार्ग भी बारिश और जलभराव के कारण अवरुद्ध हो गया है, जिससे आवागमन पूरी तरह ठप है। लगातार बारिश और नदियों में बढ़ते जलस्तर से बराखड़ क्षेत्र की इंदना नदी भी पुल के ऊपर से बह रही है। पुल के ऊपर से पानी बहने के कारण मार्ग पूरी तरह बंद हो गया है। वहीं ग्राम बी जमानी से गुजरने वाली कंदेली नदी में अत्यधिक पानी भर जाने से आसपास के आदिवासी ग्रामों के रास्ते बंद हो गए हैं। ग्रामीणों को अत्यधिक कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। खेतों में पानी भरने से फसलें भी प्रभावित हो रही हैं। प्राप्त जानकारी के अनुसार प्रशासन की टीमें निगरानी में लगी हुई हैं और संवेदनशील क्षेत्रों में अलर्ट जारी किया गया है। प्रशासन को भी सतर्क किया गया है।

गुना में दो बहनों को डंपर ने मारी टक्कर, एक की मौत

गुना। दोपहर मेट्रो

जिले के फतेहगढ़ थाना क्षेत्र में दो स्कूली छात्राओं को तेज रफ्तार डंफर ने टक्कर मार दी। इस घटना में एक छात्रा की मौत हो गई। वहीं दूसरी छात्रा गंभीर रूप से घायल हो गई। जिसे इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जब यह दोनों छात्राएं घर से स्कूल के लिए निकलीं थीं।यह दोनों हीं फतेहगढ़ की रहने वाली हैं,जो कि सीएम राइस स्कूल फतेहगढ़ में पढ़ाई करती थीं,और दोनों ही सगी बहनें हैं।यह दोनों रोजाना की तरह अपनी स्कूटी से स्कूल जाने के लिए निकली थीं। इसी दौरान मुख्य सड़क पर एक तेज रफ्तार डंफर ने उनकी स्कूटी को टक्कर मार दी। हादसे में स्कूटी पूरी तरह चकनाचूर हो गई। वहीं एक छात्रा के ऊपर से डंफर निकल गया। इससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। वहीं दूसरी गंभीर रूप से घायल हो गई।

सीएम हेल्पलाइन की शिकायत का मौके पर निराकरण

शिकायतकर्ताओं की लंबे समय से अनिराकृत शिकायतों की समीक्षा की

नर्मदापुरम। दोपहर मेट्रो

कलेक्टर सुश्री सोनिया मीना द्वारा प्रति सप्ताह की भांति इस बार भी मुख्यमंत्री हेल्पलाइन पोर्टल पर लंबे समय से दर्ज लंबित शिकायतों की समीक्षा की गई एवं त्वरित समाधान सुनिश्चित करते हुए उनका संतुष्टि पूर्वक समाधान किया गया।

चिन्हित शिकायतों की समीक्षा के दौरान नर्मदापुरम निवासी दुलारे प्रसाद की राजस्व संबंधी शिकायत का सुश्री मीना द्वारा मौके पर ही निराकरण कराया गया। संबंधित प्रकरण पर उन्होंने पूर्व में ही अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए थे, जिसके परिपालन में जिला कार्यालय की राजस्व शाखा द्वारा

त्वरित कार्रवाई करते हुए आवेदनकर्ता की समस्या का समाधान कर शिकायत को संतुष्टि पूर्वक बंद किया गया। उल्लेखनीय है कि कलेक्टर द्वारा प्रति सप्ताह चिन्हित की गई शिकायतों की समीक्षा कर उनका समाधान किया जाता है। इसी क्रम में कलेक्टर ने 10 अन्य शिकायतों की भी समीक्षा की। इस दौरान कलेक्टर ने लंबित आवेदनों की जटिलताओं का समाधान सुनिश्चित किए जाने हेतु आवश्यक सुधारात्मक उपाय किये जाने के लिए संबंधित अधिकारियों को दिशा निर्देश दिए। उन्होंने प्रत्येक शिकायत की गहन समीक्षा कर शिकायतों के अनिराकृत रहने के कारण को स्पष्ट करते हुए अधिकारियों को सुधार किए जाने के सुझाव भी दिए एवं निर्देशित किया कि आवश्यक कार्यवाही कर शीघ्र ही सभी शिकायतों को संतुष्टि से बंद करवाए। इस दौरान कलेक्टर ने लोक शिक्षण, राज्य शिक्षा केंद्र, डाइट, सहकारिता एवं राजस्व विभाग से संबंधित शिकायतों का समाधान किया।

मेट्रो एंकर

नागद्वारी मेले में श्रद्धालुओं एवं दुकानदारों को जागरुक करने के लिए मुहिम जारी

सॉलिड वेस्ट मेनेजमेंट से हो रहा कचरे का स्मार्ट प्रबंधन

नर्मदापुरम। दोपहर मेट्रो

भगवान भोलेनाथ की पवित्र नगरी पचमढ़ी में नागपंचमी (नागद्वारी) मेले में देश के विभिन्न राज्यों से श्रद्धालु प्राकृतिक सौंदर्य का आनंद लेते हुए पद्मशेष नागद्वार गुफा के दर्शन हेतु निरंतर पहुंच रहे हैं। 10 दिवसीय इस पवित्र मेले में जिला प्रशासन द्वारा संपूर्ण व्यवस्थाएं सुनिश्चित की गई हैं। मानसून की सक्रियता के कारण पचमढ़ी की वादियों में प्राकृतिक सुंदरता और अधिक बढ़ गई है, जिससे श्रद्धालुओं की संख्या में भी इजाफा होने लगा है। भक्तों को गर्मी से भी राहत मिली है। इस वर्ष नागपंचमी मेले में ठोस अपशिष्ट प्रबंधन की थीम पर केंद्रित है। महादेव मेला समिति पचमढ़ी, निजी क्षेत्र की कंपनी हिन्दुस्तान कोकाकोला ब्रेवरेजेस, मिश्रा ट्रेडर्स, एसटीआर टीम तथा जिले की नगरपालिकाओं के सफाई मित्रों के सहयोग से पूरे मेला क्षेत्र में स्वच्छता बनाए रखने हेतु ठोस कार्य योजना बनाई गई है।

कचरा एकत्रित करने मेला क्षेत्र की दुकानों को बोरी प्रदान कीं

मेला क्षेत्र की जलगली से कालाझाड़ तक की दुकानों को बोरी प्रदान की गई हैं, जिनमें दुकानदार कचरा एकत्रित कर रहे हैं। सफाई कर्मचारी प्रति दिन 3-4 बार कचरा संग्रहण कर उसे निर्धारित कचरा केंद्र तक पहुंचा रहे हैं। अब तक 150 किलोग्राम बोतलें, 100 किलोग्राम पॉलीथिन, 150 किलोग्राम पुराने जूते, 50 किलोग्राम मिश्रित प्लास्टिक एवं 50 किलोग्राम कांच एकत्र कर संग्रहण केंद्र भेजा गया है। मेला क्षेत्र में दुकानदारों एवं श्रद्धालुओं को डस्टबिन में कचरा डालने की समझाइश दी जा रही है। उन्हें मेला क्षेत्र को स्वच्छ बनाए रखने हेतु प्रेरित किया जा रहा है, जिससे मेला क्षेत्र साफ-सुथरा बना रहे।

अवैध व खुले में मांस मदिरा की बिक्री बंद कराने भाजयुमो ने सौंपा ज्ञापन

इटारसी। दोपहर मेट्रो

भारतीय जनता युवा मोर्चा (भाजयुमो) नगर मंडल पुरानी इटारसी ने अनुविभागीय अधिकारी राजस्व टी प्रतीक राव को एक ज्ञापन सौंपकर शहर में अवैध और खुलेआम मांस एवं मदिरा के विक्रय तथा ओपन अहातों को तत्काल बंद कराने की मांग की। यह कदम श्रावण माह में हिन्दू धर्म की आस्था और भावनाओं को ध्यान में रखते हुए उठाया गया है।

भाजपा मंडल अध्यक्ष पुरानी इटारसी मयंक मेहतो और भाजयुमो मंडल उपाध्यक्ष अंशु यादव के नेतृत्व में सौंपे इस ज्ञापन में प्रशासन से इन गतिविधियों पर शीघ्र कार्रवाई का निवेदन किया है। इस दौरान वरिष्ठ भाजपा नेता डॉ. पंकजमणि पहाड़िया, भाजपा मंडल महामंत्री अतुल शुक्ला, उपाध्यक्ष सौरभ राजपूत और गोविंद मेहतो, वीरेंद्र यादव, विपुल चौधरी, मंत्री राकेश वर्मा, युवा मोर्चा अध्यक्ष सौरभ चौधरी, शशांक मालवीय, शुभम प्रजापति, पिछड़ा वर्ग मोर्चा मंडल अध्यक्ष विजय चौरे, प्रशांत मनवारे, उमाशंकर लौवंशी, अनिल तिवारी, राजू पाल, रजत मेहतो, आलोक कैथवास, कार्तिक चौहान, हरिओम राजपूत, शेख अहमद, अंकित मेहतो सहित बड़ी संख्या में युवा कार्यकर्ता और पदाधिकारी उपस्थित रहे।

तेंदूखेड़ा आईटीआई की लीज 15 साल के लिए एनजीओ को मिली, ग्रामीण युवाओं में नाराजगी

तेंदूखेड़ा। दोपहर मेट्रो

नगर में 25 वर्ष पूर्व शुरू हुआ आईटीआई केंद्र अब सरकार के हाथ से चला गया है। जिसमें वेल्डर और इलेक्ट्रीशियन ट्रेड संचालित थे, जिसमें क्षेत्र के सैकड़ों छात्र छात्राएं पढ़कर निकले और शासकीय सेवाओं के साथ निजी कार्य कर अपना जीवन सुखमय जी रहे हैं। वर्तमान में भी एक सैकड़ा से अधिक छात्र आई टी आई में अध्ययनरत थे। अचानक आईटीआई बंद होने से उनका भविष्य अंधकारमय हो गया है।

नगर में स्थित आईटीआई पूर्व में तारादेही रोड पर वार्ड नंबर ग्यारह में चौरई के पास स्थित थी। पूर्व मंत्री दशरथ सिंह लोधी ने छात्रों की समस्या और जगह की कमी को देखते हुए अपने प्रयास से शासन से बिल्डिंग मंजूर करवाई थी। जो विगत आठ वर्ष पूर्व बनकर बम्हौरी पाँजी मै तैयार हुई थी और उसमें आई टी आई संचालित हो रही थी। अब अचानक बंद कर दी गई है जिससे नगर सहित आसपास के गांव के युवाओं में आक्रोश व्याप्त है। पिछले वर्ष नवंबर माह में पत्र विभाग को भेजकर प्रदेश के 5 आईटीआई के संचालन की अनुमति मांगी थी। इनमें तेंदूखेड़ा आईटीआई भी शामिल है। विभाग ने 30 नवंबर को इन संस्थाओं को 15 वर्षों के लिए फाउंडेशन को सौंपने की मंजूरी दी। इनमें आईटीआई कॉलेज दमोह जिले की तेंदूखेड़ा के साथ ही मंडला जिले की बिछिया, बड़वानी जिले के सेंधवा , देवास के हाटपिपलिया, अलीराजपुर का सोंडवा संस्थाओं का संचालन सितंबर से परम फाउंडेशन करेगा। तकनीकी शिक्षा कौशल विकास एवं रोजगार विभाग ने आदेश जारी कर दिया है

वर्तमान प्रवेश वर्ष से इन आईटीआई में प्रवेश संचालनालय के माध्यम से नहीं होगा

वर्ष 2023 में दो वर्षीय पाठ्यक्रम में दाखिल प्रशिक्षणार्थियों और वर्ष 2024 में एक वर्षीय पाठ्यक्रम में दाखिल प्रशिक्षणार्थियों का प्रशिक्षण सत्र समाप्ति तक यथावत चलेगा। अन्य आईटीआई में भेजी जाएगी मशीनरी, उपकरण और फर्नीचर संबंधित उपलब्ध मशीनरी, औजार, उपकरण, फर्नीचर और अन्य सामग्री का स्थानांतरण भी अन्य आईटीआई में किया जाएगा। इसमें अधिकारियों और कर्मचारियों का स्थानांतरण भी शामिल है। मशीन, उपकरण, फर्नीचर आदि से जुड़े सभी दस्तावेजों का संधारण संबंधित क्षेत्रीय कार्यालय और जिला नोडल आईटीआई के प्राचार्य करेंगे। यह कार्य संयुक्त संचालक, क्षेत्रीय कार्यालय और संयुक्त संचालक स्थापना द्वारा किया जाएगा। विभाग ने सभी संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि यह कार्य समय-सीमा में पूरा कर संचालनालय को सूचित करें। ताकि आगामी शैक्षणिक सत्र से परम फाउंडेशन के माध्यम से संचालन शुरू किया जा सके।

कार्रवाई: सेल्समैन के पद पर नियुक्ति की अनुशंसा करने के एवज में मांगी थी एक लाख की घूस

सहकारिता का ज्वाइंट कमिश्नर ले रहा था 50 हजार रिश्वत, पकड़ाया

सागर । दोपहर मेट्रो

आर्थिक अपराध शाखा (ईओडब्ल्यू) की टीम ने सहकारिता विभाग के संयुक्त आयुक्त को 50 हजार रुपए की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ गिरफ्तार किया है। संयुक्त पंजीयक ने सेल्समैन के पद की अनुशंसा करने के एवज में एक लाख रुपए की रिश्वत की मांगी थी। मामले में ईओडब्ल्यू की टीम कार्रवाई कर रही है। मिली जानकारी के अनुसार आवेदक दिग्विजय सिंह उर्फ घनश्याम राजपूत (लोधी) निवासी पनवारी तहसील घुवारा जिला छतरपुर द्वारा ईओडब्ल्यू सागर में एक आवेदन पत्र प्रस्तुत किया था जिसमें सेवा सहकारी समिति पनवारी जिला छतरपुर में रिक्त सेल्समेन के पद पर उसकी नियुक्ति के लिए संयुक्त आयुक्त सहकारिता शिवेंद्र देव पांडेय सागर संभाग द्वारा एक लाख रूपये की मांग किये जाने का आरोप लगाया था। आवेदन पत्र के सत्यापन के दौरान आरोप सही पाए गए और आरोपी द्वारा आवेदक के कार्य के लिए रिश्वत की मांग किया जाना पाया गया। आवेदक द्वारा एक लाख रूपये की व्यवस्था में असमर्थता जताने पर संयुक्त आयुक्त सहकारिता शिवेंद्र देव पांडेय 50 हजार रुपये की रिश्वत लेने के लिए तैयार हो गया।

अपने ही ऑफिस में घूस लेते दबोचा

आर्थिक अपराध प्रकोष्ठ इकाई सागर की टीम ने आरोपी संयुक्त आयुक्त सहकारिता शिवेंद्र देव पांडेय को उनके ही ऑफिस में आवेदक से 50 हजार रूपये की रिश्वत लेते पकड़ा। पंच साक्षी के समक्ष विधिवत आरोपी संयुक्त आयुक्त के हाथ केमिकल से धुलवाने पर गुलाबी रंग के हो गए। सहकारी समिति पनवारी जिला छतरपुर में रिक्त सेल्समेन के पद पर आवेदक की नियुक्ति का प्रस्ताव समिति द्वारा पारित कर अनुमोदन के लिए संयुक्त आयुक्त सहकारिता के कार्यालय में लंबित था। आरोपी के विरुद्ध धारा 7 भ्रष्टाचार अधिनियम के तहत अपराध पंजीबद्ध किया गया है।

ये रहे शामिल ट्रैप टीम में

ट्रैप टीम में ईओडब्ल्यू सागर उप पुलिस अधीक्षक उमा नवल आर्य, निरीक्षक प्रशांत मिश्रा, निरीक्षक आदेश जैन, उप निरीक्षक अंजलि तिवारी, उप निरीक्षक सोनल पाण्डेय, सूबेदार (अ) कु. रोशनी सोनी, उनि (अ) अतुल पंथी, प्रधान आरक्षक आसिफ अली, बृजेन्द्र सिंह राजपूत, रामसजीवन यादव, प्रधान आरक्षक (चालक) अफसर अली, आरक्षक आशीष मिश्रा, अंकित मिश्रा, आकाश दीक्षित की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

ग्रामीण क्षेत्रों में हीटर व चक्की चलाने पर बिजली कंपनी ने की कार्रवाई

तेंदूखेड़ा। धनगौर के अंतर्गत आने वाले रामदेवी में विद्युत कंपनी द्वारा चैकिंग अभियान चलाया गया। अभियान में घरों में अवैध रूप से विद्युत हीटर, अवैध रूप से चक्की चलाने एवं विद्युत की चोरी करने वालों पर कार्रवाई की गई है। पांच लोगों पर विद्युत प्रकरण बनाए गए इसके अलावा लोगों को समझाइश। दी गई की बिजली की चोरी ना करें। विद्युत चोरी करने वालों पर भी प्रकरण दर्ज किए गए कार्रवाई के दौरान विद्युत कंपनी के एई मोहम्मद फरीद अंसारी के नेतृत्व में लाईन मेन, सुधीर पटेरिया, देशराज लोधी, द्वारका मिश्रा, एवं अन्य स्टॉफ मौजूद रहा।

दस्तक अभियान : पांच साल तक के बच्चों का होगा स्वास्थ्य परीक्षण

सागर। दस्तक अभियान के प्रथम चरण का आयोजन 22 जुलाई से किया जा रहा है जो कि 16 सितंबर तक संचालित रहेगा। इस अभियान में बच्चों के स्वास्थ्य से जुड़ी विभिन्न सेवाएं प्रदान की जाएगी। जिनमें निमोनिया व गंभीर कुपोषित बच्चों की पहचान व रेफरल एवं प्रबंधन, डिजिटल हिमोग्लोबीनोमीटर द्वारा एनीमिया की स्क्रीनिंग एवं प्रबंधन, दस्त रोग की पहचान एवं ओआरएस एवं जिंक के उपयोग के संबंध में जागरूकता, विटामिन ए की खुराक का सेवन जैसी सेवाएं प्रमुख हैं। अभियान के संबंध में जिला टास्क फोर्स बैठक आयोजित की जा चुकी है। इसी प्रकार समस्त विकासखंड स्तर पर ब्लॉक टास्क फोर्स बैठकों का आयोजन भी किया जा चुका है। दस्तक अभियान के लिए आवश्यक दवाइयां, जांच उपकरणों, रिपोर्टिंग प्रपत्रों, प्रचार सामग्री उपलब्ध कराई जा चुकी है एवं मैदानी कार्यकर्ताओं को भी प्रशिक्षण दिया गया है। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी ने बताया कि अभियान के दौरान एएनएम, आशा एवं आंगनबाड़ी कार्यकर्ता द्वारा 5 साल तक के बच्चों के स्वास्थ्य की जांच की जा रही है। दस्तक अभियान में सघन दस्त नियंत्रण कार्यक्रम भी संचालित होगा। जिसमें स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं द्वारा जिंक एवं ओआरएस उपलब्ध कराया जा रहा है।

नशे से दूरी है जरूरी अभियान: नुक्कड़ नाटक से कॉलेज की छात्राओं ने दिया जागरुकता का संदेश

सागर। दोपहर मेट्रो

नशे से दूरी है जरूरी राज्यव्यापी विशेष अभियान के अंतर्गत शहर के प्रमुख स्थलों तीनबत्ती चौराहा एवं बस स्टैंड क्षेत्र में नुक्कड़ नाटक के माध्यम से जन-जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस आयोजन का उद्देश्य आम नागरिकों विशेषकर युवाओं को नशे के दुष्परिणामों से अवगत कराते हुए उन्हें नशामुक्त जीवन के लिए प्रेरित करना रहा। कार्यक्रम में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक लोकेश कुमार सिन्हा उपस्थित रहे एवं उन्होंने आमजन को संबोधित करते हुए नशे के विरुद्ध पुलिस के इस जनहितकारी अभियान को मजबूत बनाने की अपील की। नुक्कड़ नाटक की प्रस्तुति गर्ल्स डिग्री कॉलेज की एनएसएस इकाई की छात्राओं द्वारा दी गई, जिसमें उन्होंने नशे की प्रवृत्ति के सामाजिक, शारीरिक एवं मानसिक दुष्प्रभावों को जीवंत अभिनय के माध्यम से दर्शाया। इस अवसर पर थाना प्रभारी गोपालगंज, अन्य अधिकारी एवं पुलिस स्टाफ भी उपस्थित रहा।

नरयावली के सांदीपनि स्कूल के आठ शिक्षक मिले गैरहाजिर, नोटिस जारी

सागर। दोपहर मेट्रो

सरकारी स्कूलों की अध्यापन सहित अन्य व्यवस्थाओं को बनाए रखने के लिए विभागीय अधिकारी निरीक्षण कर रहे हैं। इसी तारतम्य में जिला शिक्षा अधिकारी अरविंद जैन ने सांदीपनी विद्यालय नरयावली, जरुआखेड़ा एवं शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय ईश्वरवारा विद्यालयों का निरीक्षण किया। शास उमावि जरूआखेड़ा का आकस्मिक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान प्रार्थना सभा चल रही थी। शाला में कार्यरत शिक्षक कर्मचारी सभी उपस्थित मिले। इसी प्रकार शास माध्यमिक शाला ईशुरवारा का निरीक्षण किया जिसमें विद्यालय में पदस्थ सभी शिक्षक शिक्षिकाएं उपस्थित मिले। एक शिक्षिका निरीक्षण के दौरान ही उपस्थित हुई जिनसे जिला शिक्षा अधिकारी ने विलंब का कारण जाना एवं प्रति दिवस समय पर उपस्थित होने की समझाइश दी गई। सांदीपनि शास उमावि विद्यालय नरयावली विद्यालय के निरीक्षण के दौरान 8

लोक सेवक बिना किसी सूचना के अनुपस्थित पाए गए। अनुपस्थित शिक्षकों में कल्पना सिंह कुर्मी, अनुपम ताम्रकार, सविता दरे, सारिका पांडे, ममता जैन, चेतना शर्मा, कुमारी रेशमा मिंज, कुमारी प्रतिभा खरे शामिल हैं। अनुपस्थित लोक सेवकों का एक दिन का वेतन काटने की कार्यवाही करते हुए कारण बताओ सूचना पत्र जारी किया गया। साथ ही जिला शिक्षा अधिकारी ने सांदीपनि विद्यालय के नवीन भवन के निर्माण कार्य का भी निरीक्षण किया एवं संबंधित निर्माण एजेंसी को समय पर एवं गुणवत्तापूर्ण कार्य करने के निर्देश दिए।

कलेक्ट्रेट कार्यालय का निरीक्षण कर साफ-सफाई रखने के दिए निर्देश

सागर। कलेक्टर संदीप जी आर ने कलेक्ट्रेट कार्यालय एवं परिसर का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने सभी अधिकारियों को निर्देशित किया कि वे संपूर्ण कार्यालय परिसर में साफ सफाई का विशेष ध्यान रखें। अनावश्यक पड़ी सामग्री को राइट ऑफ करें। ऐसी कोई भी इलेक्ट्रॉनिक सामग्री या फर्नीचर जो अनुपयोगी है उस पर अपलेखन की कार्यवाही करें। इसी प्रकार उन्होंने कार्यालय में स्थापना, नजारत, वित्त एवं विधि शाखा, भू-अर्जन सहित विभिन्न शाखाओं का भी निरीक्षण किया। कार्यालय में की गई पेयजल की व्यवस्था का भी जायजा लिया। उन्होंने निर्देश दिए कि कार्यालय में कही भी अनावश्यक और अनुपयोगी, कबाड़ सामग्री नहीं रहनी चाहिए। कार्यालयों के रिकार्ड को व्यवस्थित रूप से सम्भाल के रखा जाए। यथा संभव सभी काम कम्प्यूटर से एवं पेपरलेस तरीके के किया जाए। निरीक्षण के दौरान रैन वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम, परिसर की साफ सफाई, परिसर में वाहनों के पार्किंग की व्यवस्था का भी जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने कहा कि कार्यालय परिसर एवं कार्यस्थल पर साफ सफाई में लापरवाही बरतने, गंदगी करने एवं पान गुटखा थूकने वालों के विरुद्ध जुर्माने की कार्यवाही की जाए।

मतगणना दलों का प्रशिक्षण आज

सागर। जिले में पायलट प्रोजेक्ट योजना के माध्यम से पेपरलेस निर्वाचन 22 जुलाई को संपन्न हुआ था, जिसकी मतगणना 26 जुलाई को की जाना है। इसी परिपेक्ष में मतगणना दलों का प्रशिक्षण आयोजित होगा। अपर कलेक्टर एवं उप जिला निर्वाचन अधिकारी रुपेश उपाध्याय ने बताया कि गुरुवार को प्रातः 11 बजे से मतगणना दलों का प्रशिक्षण आर्ट्स एण्ड कॉमर्स कॉलेज में चल रहा है। मतगणना में लगे अधिकारी कर्मचारी समय पर मतगणना प्रशिक्षण स्थल पर उपस्थित हैं।

पुलिस की कार्रवाई

डेढ़ साल से फरार दुष्कर्म का आरोपी पकड़ाया

सागर। दुष्कर्म सहित अन्य मामलों में डेढ़ वर्ष से फरार चल रहे आरोपी को महिला थाना सागर गिरफ्तार किया है। आरोपी रंजीत घोषी पिता गोविंद सिंह घोषी उम्र 34 वर्ष निवासी ग्राम किलाई सिहोरा, थाना राहतगढ़ को गत 22 जुलाई को गिरफ़्तार कर न्यायालय में प्रस्तुत किया गया। महिला थाना प्रभारी निरीक्षक संतोषी कनासिया ने बताया कि यह प्रकरण जनवरी 2024 से लंबित था तथा आरोपी घटना के बाद से लगातार इंदौर सहित अन्य स्थानों पर फरारी काटता रहा। प्रकरण को प्राथमिकता पर रखते हुए लगातार तकनीकी और मानव स्त्रोतों के माध्यम से ट्रैक किया गया।

मेट्रो एंकर नीमच में विद्यार्थियों की कलम बनी गरीबों की आवाज़, कलेक्टर की पहल से बदल रही तस्वीर

असमर्थ लोगों की मदद, छात्र लिखते हैं जनसुनवाई में आने वालों के आवेदन

नीमच। दोपहर मेट्रो

जिले में अब विद्यार्थी सिर्फ किताबों तक सीमित नहीं हैं, वे समाज की पीड़ा को भी समझ रहे हैं और उसे शब्दों में ढालकर प्रशासन तक पहुँचा रहे हैं। कलेक्टर हिमांशु चंद्रा की पहल ने छात्रों को सामाजिक सरोकार से जोड़ दिया है। इसके तहत स्कूली छात्र अब हर मंगलवार जनसुनवाई में आने वाले निरक्षर व जरूरतमंद आवेदकों के लिए आवेदन पत्र लिखते हैं, जिससे न सिर्फ पीड़ितों की मदद हो रही है बल्कि छात्रों का भी सामाजिक और व्यावहारिक ज्ञान बढ़ रहा है। कलेक्टर हिमांशु चंद्रा की यह सोच अब शिक्षा और सेवा का बड़ा माध्यम बन गई है। नवंबर 2024 से प्रारंभ की गई इस पहल में सरकारी और निजी स्कूलों के छात्र-छात्राओं को

जनसुनवाई कक्ष के बाहर बिठाया जाता है, ताकि वे जनसुनवाई में आने वाले जरूरतमंद, अशिक्षित या असहाय लोगों के आवेदन लिख सकें।

इससे पहले तक ये फरियादी आवेदन टाइपिंग कराने के लिए 200-400 रुपए तक खर्च करते थे, लेकिन अब यह काम निःशुल्क हो रहा है। यह न केवल आर्थिक रूप से कमजोर आवेदकों को राहत दे रहा है, बल्कि छात्रों के लिए भी यह अनुभवात्मक शिक्षा बन गया है। छात्रों को अब समझ आने लगा है कि एक आवेदन केवल शब्दों का खेल नहीं, बल्कि किसी की पीड़ा, उम्मीद और अधिकार की मांग है। वे जान रहे हैं कि किस प्रकार शासकीय योजनाएं आम जन तक पहुंचती हैं और प्रशासन उस पर कार्रवाई करता है। उत्कृष्ट विद्यालय नीमच की शिक्षिका कविता सेन ने बताया कि हर मंगलवार को पांच बच्चों को यहां जनसुनवाई में लेकर आती हूं। यहां कलेक्टर ने बहुत अच्छी सुविधा कर रखी है। यहां जो फरियादी आते हैं जो अनपढ़ होते हैं या किसी को आवेदन लिखने में समस्या आती है तो यहां बच्चों के द्वारा उनके निःशुल्क आवेदन लिखे जाते हैं। इससे बच्चों का भी व्यावहारिक ज्ञान बढ़ता है, उनकी राइटिंग में सुधार होता है अशुद्धियां भी बहुत कम करते हैं। साथ ही इससे फरियादियों को भी सुविधा मिल रही है।

छात्रों ने कहा-हमें मिल रहा है समाज से जुड़ने का अवसर

हम किसी भी प्रकार का आवेदन अब लिख सकते हैं। नीमच के शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय सीआरपीएफ के छात्र मो. उस्मान अब्बासी ने बताया, मैं पिछले एक साल से यहां आवेदन लिखने आ रहा हूं। कलेक्टर हिमांशु चंद्रा ने यह एक अच्छी पहल की है, इसमें हम ग्रामीणों की जो समस्या है, उनके समाधान में हम उनकी सहायता करते हैं। यहां लोग अलग-अलग समस्या लेकर आते हैं जो लोग पढ़े लिखे नहीं हैं वह एप्लीकेशन नहीं लिख पाते उनकी एप्लीकेशन लिखकर उनकी सहायता करते हैं। उन्हें मार्गदर्शन करते हैं। उन्हें हम बताते है कैसे टोकन लेना है, कैसे जाना है, कहां आवेदन देना है, वह सब हम बताते हैं। नीमच जिले की यह पहल एक प्रेरणादायक उदाहरण बन गई है। यह शिक्षा को समाज सेवा से जोड़ने की एक सशक्त कोशिश है।

टेस्ट या फिर बैजबॉल, मैनचेस्टर मैच का सबसे बड़ा सवाल

टीम इंडिया और इंग्लैंड के बीच जारी पांच मैचों की रोमांचक टेस्ट सीरीज का चौथा मुकाबला बुधवार से मैनचेस्टर में शुरु हो गया है। सीरीज में लगातार चौथा टॉस जीतकर एक बार फिर इंग्लैंड टीम ने आखिरी पारी में चेस करने का फैसला किया है।पहले दिन का खेल खत्म होने के बाद एक बार फिर मामला दोनों ही टीमों के नजरिये बराबर नजर आया।हालांकि टीम इंडिया के नजरिये से ऋषभ पंत की चोट इस मैच में निर्णायक साबित हो सकती है।सही मायने मेंअब तक खेले गये तीनों टेस्ट मैचों में जबरदस्त रस्साकसी के बाद दोनों टीमें एक-दूसरे को चौथे टेस्ट में टक्कर देने उतरी हैं।एक ओर जहां इंग्लैंड टीम का इरादा इस मैच को जीत कर सीरीज हथियाने का रहेगा,वहीं टीम इंडिया की नजर लॉर्ड्स में मिली नजदीकी हार का बदला लेकर सीरीज के रोमांच को दौरे के आखिरी टेस्ट में ले जाने की रहेगी।मतलब साफ है कि सीरीज में 2-1 से पिछड़ रही टीम इंडिया को हर हाल में यह मैच जीतना ही होगा, क्योंकि अगर इस मैच में हार मिली तो उसके लिए सीरीज यहीं खत्म हो जाएगी।वैसे अगर हम बात अब तक हुए तीनों टेस्ट मैचों में मिली जीत हार की करें तो फिर सभी मैचों में दोनों टीमें के बीच 4 दिनों तक मैच बराबरी पर नजर आये।इंग्लैंड टीम भले ही सीरीज में बढ़त हासिल कर चुकी है,लेकिन इस बात में कोई शक नहीं कि अपने घरेलू मैदान पर बैजबॉल अंदाज से विदेशी टीमों को घुटनों पर लाने वाली इंग्लैंड टीम युवा गिल सेना के सामने लॉर्ड्स के मैदान पर बैकफुट पर अलग अंदाज में टेस्ट खेलती नजर आई।

आलोक गोस्वामी
खेल विश्लेषक

दरअसल शुरुआती 2 टेस्ट मैचों में टॉस जीतकर बैजबॉल तरीके से खेलने वाली इंग्लिश टीम को एक जीत के बाद उसी अंदाज में दूसरे टेस्ट में हार झेलनी पड़ी थी।दरअसल जब पहले 2 टेस्ट मैचों में पांच दिनों के खेल में 1673 व 1692 रन बने तो ऐसा लगा कि पूरी सीरीज में इंग्लैंड अपना बैजबॉल अंदाज जारी रखेगी,लेकिन दूसरे टेस्ट मैच की हार के बाद लॉर्ड्स में टॉस जीतने के साथ ही पहले बल्लेबाजी करने पर मेजबान टीम का रुख एकदम

बदला नजर आया। भले ही दोनों टीमों के बीच खेला गया तीसरा मैच टेस्ट के असल रूप मे खेला गया,लेकिन मजेदार बात यह रही कि इसका फैसला भी पहले 2 मैचों की आखिरी दिन के आखिरी सत्र में ही निकल कर आया।यह बात अलग है कि इस मैच में मात्र 1136 रन ही बने।मतलब यह हुआ कि जहां शुरुआती 2 टेस्ट मैचों में लगभग 340 रन प्रतिदिन के औसत से रन बने,वहीं लॉर्ड्स में खेले तीसरे टेस्ट में यह औसत गिरकर 227 रन प्रतिदिन हो गया।मौजूदा टेस्ट सीरीजबके सभी टेस्ट मैच में टॉस इंग्लैंड टीम ने जीता।इसी वजह से मेरे नजरिये में टेस्ट मैच को खेलने का रुख मेजबान टीम ने ही तय किया है।भले ही टीम इंडिया सीरीज में फिलहाल पिछड़ी हुई है लेकिन इस बात में कोई शक नहीं कि यंग टीम इंडिया ने मेजबान टीम को जवाब हर बार उसी के लहजे में दिया है।मेनचेस्टर टेस्ट मैच के एकादश चयन पर नजर डालें तो फिर भले ही इंग्लैंड टीम ने लियाम डॉसन को शामिल कर टीम इंडिया के बल्लेबाजों की उल्टे हाथ के फिरकी वाली कमजोर नस पर चोट करने की कोशिश की है,लेकिन टीम इंडिया में पांच लेफ्ट हैंडर बल्लेबाज की मौजूदगी से यह दांव ज्यादा घातक नहीं कहा जा सकता है।इस मैच में भी टीम इंडिया के बल्लेबाजों को काबू में रखने का जिम्मा तेज गेंदबाजों पर ही रहेगा।

वहीं टीम इंडिया ने इस मैच करुण नायर,रेड्डी और आकाशदीप की जगह सुदर्शन ,शार्दुल व कंबोज को शामिल किया है। भले ही टीम इंडिया को चौथे टेस्ट से पहले खिलाड़ियों के चोटिल होने से कुछ झटके लगे,लेकिन बेंच स्ट्रेंथ की ताकत व बल्लेबाजों के दमदार खेल से टीम के मनोबल पर ज्यादा फर्क नहीं पड़ने वाला है। मतलब साफ है कि दोनों ही टीमें पहले दिन के खेल के बाद मैनचेस्टर के मैदान पर भी बेहद संतुलित नजर आ रही हैं इंग्लैंड टीम ने भले ही सीरीज में बढ़त हासिल की हुई है लेकिन मेरे दिमाग मे सबसे बड़ा सवाल यही है कि मेजबान टीम इस मैच को किस अंदाज में खेलती है।मैच को लेकर उसका नजरिया काफी हद तक उसकी पहली पारी की बल्लेबाजी मे दिख जायेगा।अब देखना यह दिलचस्प रहेगा कि वाकई इंग्लैंड टीम इस मैच को बतौर टेस्ट मैच खेलती है या फिर एक बार फिर बैजबॉल पर दांव लगाती है,क्योंकि लॉर्ड्स के टेस्ट अंदाज में मिली जीत पर भी उसको हार की भनक नजर आने लगी थी।

केएल राहुल ने इंग्लैंड में बनाया एक और कीर्तिमान

इंग्लैंड की सरजमीं पर 1000 टेस्ट रन बनाने वाले बने पांचवें भारतीय

नई दिल्ली,, एजेंसी

मैनचेस्टर के ऐतिहासिक ओल्ड ट्रैफर्ड मैदान पर भारत और इंग्लैंड के बीच चल रहे चौथे टेस्ट मैच के दौरान भारतीय बल्लेबाज केएल राहुल ने एक बड़ी उपलब्धि अपने नाम कर ली। राहुल ने इंग्लैंड की धरती पर अपने 1000 टेस्ट रन पूरे कर लिए हैं। इस खास मुकाम तक पहुंचने वाले वे भारत के पांचवें बल्लेबाज बन गए हैं। उनसे पहले ये कारनामा सिर्फ सचिन तेंदुलकर, राहुल द्रविड़, सुनील गावस्कर और विराट कोहली जैसे दिग्गज बल्लेबाज़ ही कर सके हैं।

इंग्लैंड की पिचें जहां सीम और स्विंग गेंदबाज़ों के लिए जानी जाती हैं, वहां टिककर रन बनाना भारतीय बल्लेबाज़ों के लिए हमेशा चुनौतीपूर्ण रहा है। ऐसे में राहुल का यह प्रदर्शन बेहद अहम माना जा रहा है। केएल राहुल अब उन भारतीय दिग्गजों की लिस्ट में शामिल हो गए हैं जिन्होंने इंग्लैंड में टेस्ट क्रिकेट में 1000 से अधिक रन बनाए हैं-

सचिन तेंदुलकर - 1575 रन
राहुल द्रविड़ - 1376 रन
सुनील गावस्कर- 1152 रन
विराट कोहली- 1096 रन
केएल राहुल- 1000+ रन

इन आंकड़ों से स्पष्ट है कि राहुल ने खुद को विदेशी सरजमीं पर भारत के भरोसेमंद बल्लेबाज़ के रूप में स्थापित किया है। उन्होंने इंग्लैंड के लॉर्ड्स, ओवल, हेडिंग्ले और अब मैनचेस्टर में भी उपयोगी पारियां खेली हैं।

3 बदलाव के साथ उतरी है टीम इंडिया

मैनचेस्टर के ओल्ड ट्रैफर्ड ग्राउंड में भारत और इंग्लैंड के बीच एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी का चौथा टेस्ट मैच आज (23 जुलाई) से शुरू हो गया है। भारतीय टीम पहले बल्लेबाजी कर रही है। अंशुल कम्बोज का डेब्यू हुआ। वहीं टीम में 3 बदलाव हुए हैं। करुण की जगह साई सुदर्शन को शामिल किया गया है। चोटिल आकाश दीप और नीतीश रेड्डी की जगह कम्बोज और शार्दुल ठाकुर को भी प्लेइंग इलेवन में मौका मिला है।

8 साल बाद मिला था मौका, फिर कहां चूक गए करुण नायर

नई दिल्ली। भारत-इंग्लैंड के बीच आज से मैनचेस्टर में 5 मैचों की टेस्ट सीरीज का चौथा मैच खेला जा रहा है। इस मुकाबले में आकाशदीप और नीतीश रेड्डी की जगह टीम में अंशुल कम्बोज और शार्दुल ठाकुर को जगह दी गई है, जबकि करुण नायर की जगह साई सुदर्शन को मौका मिला है। पिछले तीन मैच में करुण नायर का प्रदर्शन फीका रहा था। वो 6 पारियों में एक भी अर्धशतक नहीं लगा सके थे। ऐसे में माना जा रहा था कि करुण नायर को चौथे टेस्ट में मौका नहीं मिलेगा। हुआ भी यही। हालांकि, ये जानना जरूरी है कि आखिर 8 साल बाद टीम में वापसी करने वाले करुण नायर से आखिर कहां चूक हो गई की वो फिर से टीम से बाहर हो गए।

ऐसा रहा करुण का प्रदर्शन

33 साल के करुण नायर एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी के चौथे टेस्ट से बाहर कर दिए गए। उन्होंने मौजूदा सीरीज के 3 टेस्ट की 6 पारियों में महज 21.83 की औसत से 131 रन बनाए। उनका उच्चतम स्कोर 40 रहा। उनकी पोजिशन में भी बदलाव किया गया। लेकिन करुण टीम की उम्मीदों पर खरे नहीं उतरे। जब टीम को पारी को संभालने की जरूरत थी तब भी नायर दम नहीं दिखा सके।

चाइना ओपन: पीवी सिंधू ने मियाजाकी को हराया, सात्विक-चिराग की जोड़ी अगले दौर मे

चांगझोउ, एजेंसी

चांगझोउ में खेले जा रहे चाइना ओपन बैडमिंटन टूर्नामेंट में सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी-चिराग शेट्टी की जोड़ी और पीवी सिंधु ने जीत के साथ शुरूआत की। रेड्डी और शेट्टी की जोड़ी ने जापान के हिरोकी ओकामुरा और केन्या मित्सुहाशी की जोड़ी को सीधे गेम में 21-13-21-9 से हराया। यह मैच 31 मिनट तक चला।

सिंधु ने जापानी खिलाड़ी को हराया

पीवी सिंधु ने सिंगल्स में शानदार शुरूआत की। उन्होंने एक घंटे दो मिनट तक चले मुकाबले में जापान की टोमोका मियाजाकी को 21-15, 8-21 और 21-17 से हराकर प्री क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया।पहला गेम आसानी से जीतने के बाद सिंधु दूसरे गेम में 8-21 से हार गईं। हालांकि, निर्णायक तीसरे गेम में उन्होंने शानदार वापसी करते हुए राउंड ऑफ 16 में जगह बनाई।

इससे पहले सिंधु जापान ओपन में पहले ही राउंड में बाहर हो गईं थी। इस साल सिंधु 5 टूर्नामेंट में पहले दौर और तीन टूर्नामेंट में दूसरे दौर में बाहर हुई हैं। रुतापर्णा और स्वेतापर्णा पांडा का सफर समाप्त विमेंस डबल्स में भारत की रुतापर्णा और स्वेतापर्णा पांडा बहनों को हॉन्गकॉन्ग की अनुभवी जोड़ी से 12-21, 13-21 से हार का सामना करना पड़ा और उनका सफर समाप्त हो गया।

प्रणय चाउ टीएन-चेन प्री क्वार्टर फाइनल में भिड़ेंगे

एचएस प्रणय ने पहले ही राउंड में जापान के कोकी वतनबे को 8-21, 21-16, 23-21 से हराकर प्री- क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया। पहला गेम 8-21 से गंवाने के बाद प्रणय ने दूसरे गेम में जोरदार वापसी की और इसे 21-16 से जीता। तीसरे और निर्णायक गेम में वे 1-7 और फिर 15-20 से पीछे थे, लेकिन शानदार प्रदर्शन करते हुए स्कोर 20-20 पर बराबर किया और अंत में 23-21 से गेम और मैच अपने नाम किया।

मनोरंजन
बॉलीवुड का कोना

तनुश्री दत्ता के आंसुओं को यूजर्स ने बताया ड्रामा, एक्ट्रेस ने सुनाई खरी-खोटी

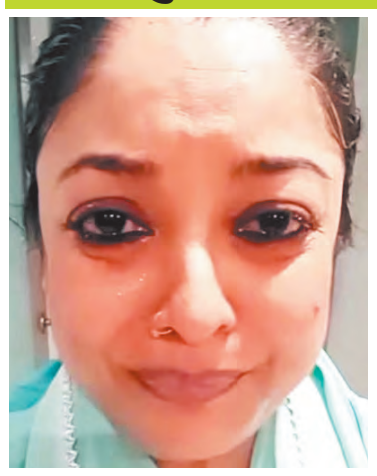

एक्ट्रेस तनुश्री दत्ता ने मंगलवार को एक वीडियो शेयर कर सबको हैरान कर दिया। उन्होंने कहा कि उन्हें अपने ही घर में परेशान किया जा रहा है। उस वीडियो के वायरल होने के बाद कई लोग उनकी चिंता करने लगे। वहीं कुछ ने कहा कि वो सिर्फ सुर्खियों में आने के लिए ऐसा कर रही हैं। अब तनुश्री ने उन लोगों को खरी-खोटी सुनाई है, जिन्होंने उनके परेशान दिखने वाले वीडियो को नाटक बताया है।

एक यूजर ने तनुश्री के वीडियो पर कमेंट करते हुए कहा, मैं तनुश्री मैम की फैन हूं, लेकिन इस बार मुझे लग रहा है कि वो लाइमलाइट में आना चाहती हैं। मैं गलत भी हो सकती हूं, लेकिन ऐसा ही लगा। मैम अगर मेरी बातों से आपको बुरा लगा हो तो माफ करना, लेकिन वीडियो देखकर ऐसा महसूस हुआ। एक्ट्रेस ने यूजर के कमेंट का जवाब देते हुए लिखा- सच में?? आपका प्रोफाइल देखा, आज ही इंस्टाग्राम अकाउंट बनाया है आप ने ये कमेंट करने के लिए।

एक अन्य यूजर ने लिखा- नौटंकी करना बंद करो मैडम। लोग आपकी असलियत जान गए हैं। बार-बार ड्रामा करती हो। अगर मुंबई में सुरक्षित नहीं हो तो अमेरिका वापस चली जाओ। अगर सच में जिंदगी को खतरा है, तो यहां से चली क्यों नहीं जाती। नाना पाटेकर एक अच्छे इंसान हैं और बॉलीवुड के बेहतरीन कलाकार हैं, उन्हें बदनाम करने की कोशिश मत करो। इस पर एक्ट्रेस कहती हैं कि मैंने तो इस पोस्ट में नाना का नाम भी नहीं लिया।

49 में कौन रिटायर होता है, स्मृति ईरानी ने किया अफवाहों को सिरे से खारिज

जब से क्योंकि सास भी कभी बहू थी 2 की चर्चा शुरू हुई है, तब से एक ही सवाल का जिक्र हो रहा है, वो ये कि क्या अब एक्ट्रेस-पॉलिटिशियन स्मृति ईरानी राजनीति से रिटायरमेंट ले लेंगी? आजतक से एक्सक्लुसिव बातचीत में स्मृति ने इसका जवाब दिया। स्मृति ने बताया कि वो रिटायर नहीं हो रही हैं।

स्मृति ने साफ शब्दों में कहा कि वो अभी 49 साल की हैं और ये कोई ऐसी उम्र नहीं है, जहां रिटायर हुआ जाए। इस उम्र में लोग कई बार अपने करियर की शुरुआत करते हैं। जब उनसे पूछा गया कि इतने सालों बाद सीरियल करने का फैसला कैसे लिया? इस पर स्मृति ने हंसते हुए कहा कि बहुत ही बचकाना जवाब होगा, लेकिन मेरी मर्जी। मैं हमेशा से ऐसी थी। देखिए लोगों के पास चॉइस नहीं होती। मेरे पास है तो। जिंदगी को सुक्ष्म रूप से जीने की मेरी फितरत नहीं है। आप जिंदगी को एक पहलू से जिएं, तो वो भी क्या जीना हुआ। मैं राजनीति में भी इसलिए आई क्योंकि मुझे ये एहसास था कि हमारे समाज में कई चीजें ऐसी हैं जिनपर लोगों का ध्यान जाना बहुत जरूरी है। चाहे वो पॉलिटिक्स के माध्यम से हो या मीडिया के माध्यम से हो। अगर आपने अपना औहदा इतना बना लिया है कि आप लोगों का ध्यान आकर्षित करें, आप लोगों का प्रतिबिंब बनें, आप लोगों की आवाज बनें, तो कोई मुर्ख ही होगा जो ऐसे मौके को छोड़ेगा।

49 रिटायर होने की उम्र नहीं

तो ये पॉलिटिकल रिटायरमेंट नहीं है? स्मृति ने कहा- कैसे, 49 में कौन रिटायर होता है। 49 में तो लोगों का करियर शुरू भी नहीं होता। मैं तीन बार सांसद रह चुकी हूं, तीन विभागों की मंत्री रह चुकी हूं। अभी तो लंबा सफर है। मुझे नहीं पता कि पार्टी कब कहां करवट लेगी, क्या दायित्व देगी, मुझे नहीं पता। मुझे इतना पता है कि कम से कम संसद के माध्यम से मैंने अपनी काबिलियत को स्थापित किया। मैंने 10 साल धरनों वाली राजनीति भी की है। जेल में सजा भी काटी है। बता दें, 25 साल बाद क्योंकि सास भी कभी बहू थी 2 टीवी स्क्रीन पर वापसी कर रहा है। ये वो शो है जिसने टेलीविजन को उस दौर में नए आयाम दिए थे। इस डेली सोप में स्मृति ने तुलसी विरानी का किरदार निभाया था। वो इस शो से घर-घर में फेमस हुई थीं। अब सालों बाद स्मृति ईरानी इस शो से टीवी स्क्रीन पर वापसी कर रही हैं।

मेट्रो बाजार

मिंत्रा पर 1,654 करोड़ रुपए के विदेशी निवेश घोटाले का आरोप

नई दिल्ली। प्रवर्तन निदेशालय (इडी) के बेंगलुरु जोनल कार्यालय ने मिंत्रा डिजाइन्स प्राइवेट लिमिटेड, उससे जुड़ी कंपनियों और निदेशकों के खिलाफ फॉरेन एक्सचेंज मैनेजमेंट एक्ट, 1999 की धारा 16(3) के तहत गंभीर आरोपों में शिकायत दर्ज की है। ईडी ने 1,654.35 करोड़ के विदेशी निवेश के गलत इस्तेमाल और एफडीआई नीति उल्लंघन के आरोपों की जांच शुरू कर दी है।

क्या है मामला?- ईडी के अनुसार, मिंत्रा ने होलसेल कैश एंड कैरी मॉडल दिखाकर विदेशी निवेश हासिल किया, जबकि वास्तव में वह मल्टी-ब्रांड रिटेल कारोबार कर रही थी, जो कि नियमों के विरुद्ध है। जांच में सामने आया कि मिंत्रा ने अपने सारे प्रोडक्ट्स अपनी ही ग्रुप कंपनी वेक्टर ई-कॉमर्स प्राइवेट लिमिटेड को बेचे, जिसने बाद में उन्हें रिटेल में आम ग्राहकों को बेचा।

कैसे हुआ नियमों का उल्लंघन?- एफडीआई नीति के तहत, एक होलसेल कंपनी केवल 25 प्रतिशत तक ही अपने ग्रुप की किसी कंपनी को बिक्री कर सकती है। लेकिन मिंत्रा ने 100 प्रतिशत उत्पाद अपनी ही ग्रुप कंपनी को बेचे – जो सीधे तौर पर फेमा की धारा 6(3)(बी) और एफडीआई नीति (1 अप्रैल 2010 और 1 अक्टूबर 2010 संस्करण) का उल्लंघन है।

ईडी की कार्रवाई- इन आरोपों के आधार पर, ईडी ने फेमा की धारा 16(3) के तहत न्यायनिर्णायक प्राधिकारी के समक्ष शिकायत दायर की है। अब इस मामले में कानूनी कार्रवाई की प्रक्रिया तेज हो गई है।

एशियन बैंक ने भारत की विकास दर घटाई फिर भी फास्टेस्ट ग्रोइंग इकोनॉमी रहेगा

नई दिल्ली । एशियन डेवलपमेंट बैंक (एडीबी) ने साल 2025-26 में भारत की जीडीपी ग्रोथ 6.7त्न से घटाकर 6.5त्न कर दी है। यह जानकारी 23 जुलाई एडीबी की ताजा एशियन डेवलपमेंट आउटलुक रिपोर्ट में दी गई है। इसके बावजूद एडीबी ने कहा है कि भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ने वाली बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में से एक बना रहेगा।अमेरिकी टैरिफ और नीतिगत अनिश्चितता के कारण निर्यात और निवेश पर असर पड़ने से यह अनुमान कम किया गया है। हालांकि, एडीबी का मानना है कि मजबूत घरेलू खपत, बेहतर मानसून, सर्विस और कृषि क्षेत्र की मजबूती भारत की अर्थव्यवस्था को रफ्तार दे रही है। इसके अलावा, एडीबी ने एफवाई27 के लिए भी विकास अनुमान को 6.8त्न से घटाकर 6.7त्न किया। फिर भी, भारत की अर्थव्यवस्था मजबूत बनी हुई है, क्योंकि ग्रामीण मांग में सुधार और सेवा क्षेत्र की तेजी इसे सपोर्ट कर रही है। अऊइ ने कहा, भारत की आर्थिक गतिविधियां मजबूत हैंऔर ग्रामीण मांग में तेजी से घरेलू खपत बढ़ेगी।

कृषि और सर्विस सेक्टर देंगे जीडीपी को रफ्तार- एडीबी की रिपोर्ट में कहा गया है कि एफवाई26 में भारत की अर्थव्यवस्था को कृषि और सेवा क्षेत्र से बड़ा सपोर्ट मिलेगा। इस साल मानसून 6त्न बेहतर रहने की उम्मीद है, जिससे फसल उत्पादन पिछले साल से 4 फीसदी ज्यादा बढ़ सकता है । इससे ग्रामीण आय बढ़ेगी, जो खपत को बढ़ावा देगी। इसके अलावा, कम कच्चे तेल की कीमतें भी एफवाई26 और एफवाई27 में आर्थिक गतिविधियों को सपोर्ट करेंगी।

आरक्षक के मकान पर चोरों का धावा

भोपाल। जहांगीराबाद थानांतर्गत अहीर मोहल्ले में रहने वाले संजय कुमार (38) एसएएफ में आरक्षक हैं। दोपहर करीब बारह बजे वह अपने मकान पर ताला लगाकर पत्नी के साथ अस्पताल चले गए थे। करीब एक घंटे बाद वापस लौटे तो कमरे का ताला टूटा मिला और सामान बिखरा पड़ा था। चैक करने पर एक सोने की बाली, पावर बैक और छह हजार रुपए नकदी गायब थे। संजय के बगल में रहने वाले आरक्षक प्रशांत कोरी के कमरे का भी बदमाशों ने ताला तोड़ दिया था, लेकिन उनके यहां से कोई सामान चोरी नहीं हुआ। पुलिस ने अज्ञात चोरों के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है। इधर अयोध्या नगर में रहने वाले सुरेश रजक गोविंदपुरा थानांतर्गत गौतम नगर में चाय-पान की दुकान चलाते हैं। बदमाश ने दुकान का ताला तोड़कर गुटखा, बीड़ी, सिगरेट समेत करीब 40 हजार रुपए का सामान चोरी कर ले गए। शिफ्टिंग के दौरान चोरी हुए जेवरात तलैया थानांतर्गत गिन्नौरी रोड पर रहने वाली नरसीन बानो आंगनबाड़ी कार्यकर्ता हैं। कुछ समय पहले उन्होंने अपना मकान कोहेफिजा इलाके में शिफ्ट किया है। करीब दस दिनों से मकान के सामान की शिफ्टिंग का काम चल रहा था। इसी दौरान तलैया वाले मकान में रखी अलमारी से सोने के जेवरात और नकदी समेत करीब 45 हजार का सामान चोरी हो गया।

किश्त बाउंस होने पर होता है खुलासा, सायबर सेल ने प्रकरण दर्ज कर शुरू की जांच

ऑनलाइन क्लास के नाम पर साइबर ठगी, ओटीपी मांगकर लेते हैं लोन

भोपाल, दोपहर मेट्रो

बच्चों की ऑनलाइन क्लास के नाम पर परिजनों से ठगी की जा रही है। साइबर अपराधी दस्तावेज व अन्य जरूरी जानकारी लेने के बहाने ओटीपी मांगते हैं और फिर फाइनेंस कंपनी से लोन ले लेते हैं। खुलासा तब होता है जब पहली किश्त बाउंस होने पर फरियादी के पास फायनेंस कंपनी का कॉल आता है। सायबर सेल ने प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

पुलिस के मुताबिक सूरज नगर रातीबड़ निवासी किशोर कुमार के पास करीब एक माह पूर्व ओडा ऑनलाइन क्लास के नाम से अज्ञात व्यक्ति का फोन आया और बच्चों को लेकर ऑनलाइन क्लासेस के बारे में बात की। सालाना 17 हजार रुपए के हिसाब से फीस देने की बात तय हुई। बच्चे के रजिस्ट्रेशन के नाम पर 150 रुपए, फरियादी के आधार कार्ड व पेन कार्ड मांगे और मोबाइल पर आए ओटीपी देने की बात की। फरियादी ने उनको ओटीपी बता दिया। इसके बाद उसने ढाई हजार रुपए और मांगे। किशोर कुमार ने उनको पैसे भेज दिए। इसके बाद उनके बच्चे की ऑनलाइन पढ़ाई स्टार्ट हो गई। इस बीच करीब एक माह बाद फरियादी के पास बजाज फायनेंस से फोन आया कि आपका बजाज फायनेंस का लोन चल रहा है और उसकी किश्त बाउंस हो गई है। किशोर कुमार ने ओडा क्लास वालों से संपर्क किया कि आपने मेरे नाम से लोन कैसे ले लिया। तब वह कहने लगे कि पढ़ाई के लिए हमने एकमुश्त पैसे ले लिए हैं और आप धीरे-धीरे लोन की किश्त चुकाते रहना। फरियादी ने उससे लोन निरस्त करने के लिए कहा। तो वह कहने लगे कि आप कल 11 बजे कॉल करना, तब कटवा देंगे। लेकिन उसके बाद से उनका फोन नहीं लग रहा। फरियादी ने अपने स्तर पर छानबीन की तो पता चला कि कई लोग ऐसी धोखाधड़ी का शिकार हो चुके हैं। जांच के बाद सायबर पुलिस ने धोखाधड़ी की धाराओं के तहत प्रकरण दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी है।

चोरी के संदेह में युवक को बंधक बनाकर पीटा

भोपाल। कबाड़खाना में एल्युमिनियम की केबल चुराते हुए कबाड़ा कारोबारियों ने एक युवक को पकड़ लिया। उसकी जमकर धुनाई की गई। युवक का आरोप है कि उसे बंधक बनाकर रखा गया और पाइप सहित डंडे से उसके साथ मारपीट की गई। रात तक उसे बंधक बनाकर रखकर मारपीट की गई है। पुलिस ने उक्त मामले में मारपीट करने वाले तीन कबाड़ियों पर प्रकरण दर्ज किया है, वहीं पुलिस युवक के खिलाफ चोरी के प्रयास का मामला दर्ज कर जांच कर रही है। पुलिस के अनुसार भैया कबाड़ी, की कबाड़खाना इलाके में दुकान है। उनकी दुकान पर शोएब नामक युवक मंगलवार को चोरी की नियत से घुसा और एल्युमिनियम की केबल चुराने लगा। उसे चोरी करते हुए भैय्या कबाड़ी ने रंगे हाथ पकड़ लिया। इसके बाद अपने भाइयों के साथ मिलकर उसे दुकान में बंद कर जमकर पीटा।

एडवोकेट की पत्नी ने चौथी मंजिल से कूदकर दी जान

भोपाल। ऐशबाग थाना क्षेत्र स्थित केपिटल पेट्रोल पंप के पास गुरूनानकपुरा में एडवोकेट की पत्नी ने चौथी मंजिल की छत से कूदकर जान दे दी। उनके पास से सुसाइड नोट नहीं मिला है। प्रारंभिक जांच में पता चला कि उन्हें लंबे समय से टीबी की बीमारी थी। अनुमान है कि टीबी की बीमारी से परेशान होकर उन्होंने यह कदम उठाया है। पुलिस के अनुसार अंजली मेहरा पति कपिल मेहरा (44) गुरूनानकपुरा, मल्टी ऐशबाग में रहती थी। वह गृहणी थी। उनके पति कपिल मेहरा एडवोकेट है और जिला कोर्ट में प्रेक्टिस करते हैं। उन्होंने पुलिस को बताया कि मंगलवार रात परिवार के साथ खाया और सभी लोग सो गए थे। सुबह करीब साढ़े 7 बजे नींद खुली तो पत्नी उन्हें नजर नहीं आई। घर में देखने के बाद उन्होंने पत्नी की आसपास तलाश की, लेकिन कुछ पता नहीं चला। वे छत पर पहुंचे थे। इस दौरान उनकी नजर मल्टी के पीछे पड़ी तो पत्नी नीचे बेसुध नजर आई। वे नीचे पहुंचे और पत्नी को उठाकर हमीदिया अस्पताल ले गए। वहां डॉक्टर ने चेक करने पर अंजली को मृत घोषित कर दिया।

तीन वर्षों से सात स्थाई वारंटो में फरार आरोपी गिरफ्तार

भोपाल। कमला नगर पुलिस ने तीन वर्ष स फरार आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी के खिलाफ सात स्थाई वारंट थे। पुलिस के अनुसार मुखबिर की सूचना पर उक्त कार्रवाई की गई। पुलिस ने बताया कि मुखबिर से सूचना मिली कि स्थाई वारंटी अतुल करौसिया पिता हरिलाल करौसिया (31) अंबेडकर नगर थाना कमला नगर, पीएंडटी कलारी के पास खड़ा है। सूचना मिलने के बाद पुलिस ने घेराबंदी करते हुए अतुल करौसिया की पीएंडटी कलारी के पास से गिरफ्तार कर लिया। उसे कोर्ट में पेश किया गया है। वहां से जेल भेज दिया गया।

नशे से दूरी है जरूरी अभियान: अभिनेता अनुपम खेर ने किए हस्ताक्षर

भोपाल, दोपहर मेट्रो

नशे से दूरी है जरूरी अभियान के अंतर्गत कमलानगर इला्के व होटल ताज में नशे से दुरी, है जरूरी अभियान के अंतर्गत हस्ताक्षर अभियान चलाया गया। अभियान में जिसमें फिल्म अभिनेता अनुपम खेर द्वारा हस्ताक्षर किए। उन्होंने मध्यप्रदेश पुलिस के जन जागृति अभियान नशे से दूरी, है जरूरी अभियान का काफी सराहना की। साथ ही एआईजी मलय जैन, एसीपी टीटीनगर अंकिता खातकर, थाना प्रभारी निरूपा पांडे, थाना कमला नगर के स्टाफ व ताज होटल का स्टाफ उपस्थित में हस्ताक्षर कराए गए। इसी तारतम्य में ठेगडी भवन थाना कमला नगर भोपाल में थाना प्रभारी के मार्गदर्शन में उनि. संजय वर्मा व उनकी टीम द्वारा नशे से दुरी है जरूरी अभियान के अंतर्गत डीजीपी कैलाश मकवाना का नशा मुक्ति के लिए दिया गया संदेश प्रसारित किया। नौसेना के अध्यक्ष एडमिरल दिनेश कुमार त्रिपाठी भी मध्य प्रदेश पुलिस के नशे से दूरी है जरूरी अभियान से जुड़े हैं।

पुलिस ने बसों में पोस्टर और बैनर लगाए

नशे से दूरी है जरूरी विषय पर नशा मुक्ति के लिए ऐशबाग पुलिस ने जन-जागरुकता अभियान के तहत प्रभात चौराहा ऐशबाग भोपाल में जन संवाद आयोजित किया। इस दौरान निजी बसों एवं स्कूली बसों में पोस्टर बैनर प्रदर्शित कर एवं मोबाइल से शॉर्ट फिल्म प्रदर्शित कर नशा से दूर रहने की सलाह दी। सभी को नशा से दूर रहने के लिए प्रचार प्रसार करने समझाइश दी गई। उक्त आयोजन में सवारी एवं ड्राइवर कंडक्टरों ने हिस्सा लिया। नौसेना के अध्यक्ष एडमिरल दिनेश कुमार त्रिपाठी भी मध्य प्रदेश पुलिस के नशे से दूरी है जरूरी अभियान से जुड़े हैं।

हथाईखेड़ा डेम में मिला युवक का शव

भोपाल। पिपलानी थाना क्षेत्र स्थित हथाईखेड़ा डेम में बुधद्ववार सुबह एक युवक की लाश मिलने से सनसनी फैल गई। मृतक के पास ऐसा कोई भी दस्तावेज नहीं मिला है, जिससे की उसकी शिनाख्त की जा सके। प्रारंभिक जांच में मामला आत्महत्या से जुड़ा नजर आ रहा है। पुलिस ने शव पीएम के लिए मर्चूरी में रखवा दिया है। मृतक की शिनाख्त करने के प्रयास किए जा रहे हैं। पुलिस के अनुसार बुधवार सुबह एक युवक की लाश हथाईखेड़ा डेम में नहर गेट के पास से बरामद की गई।

लोडिंग वाहन की टक्कर से बाइक सवार युवक घायल

भोपाल। सूखी सेवनिया इलाके में एक तेज रफ्तार लोडिंग वाहन ने सामने से आ रहे बाइक सवार युवक को टक्कर मार दी, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। इधर अशोका गार्डन इलाके में पैदल जा रहे एक बुजुर्ग व्यक्ति को इलेक्ट्रिक रिक्शा चालक ने टक्कर मारकर घायल कर दिया। पुलिस ने दोनों मामलों में आरोपी वाहन चालकों के खिलाफ एक्सीडेंट का केस दर्ज कर लिया है। जानकारी के अनुसार अमित रंजन पांडेय (41) तीन दिन पहले वह दीवानगंज से ग्राम चोपड़ा होते हुए अपने घर लौट रहे थे। शाम करीब साढ़े पांच बजे वह चोपड़ा कला स्थित एलएस मेमोरियल स्कूल के सामने पहुंचे, तभी भोपाल से विदिशा की तरफ जा रहे एक तेज रफ्तार लोडिंग आटो ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी, जिससे अमित रंजन बाइक समेत सड़क पर गिरकर घायल हो गए।

कार्यालय कार्यपालन यंत्री, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग,

मैकेनिकल खण्ड ए अरविन्द विहार, लहारपुर डेम के समीप, बाग मुंगालिया, भोपाल पिनकोडः 462043
web site: www.mppwd.gov.in, email:- eepwdelecbpl@mp.nic.in

क्रमांक 908 / तक/का०यं०/ लो०स्वा०/मैके०खण्ड/भोपाल/2025-26/ दिनांक 21/07/2025

निविदा क्रमांक 13/2025-2026 ऑन लाईन निविदा क्रमांक 2025_PHED_438886_1 दिनांक 21.07.2025

कार्यपालन यंत्री, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकीय विभाग, मैकेनिकल खण्ड भोपाल के अंतर्गत मंत्रालय तथा प्रमुख अभियंता कार्यालयों में स्थापित कम्प्यूटर, प्रिंटर एवं नेटवर्किंग उपकरणों के सुचारू संचालन हेतु वार्षिक संधारण कार्य हेतु ऑन लाईन डिजिटली हस्ताक्षरित निविदा दिनांक 05.08.2025 सायं 17.00 बजे तक प्रतिष्ठित फर्मों (निविदा शर्तों अनुसार अहर्ताधारी) से एपेंडिक्स 2.10 पर आमंत्रित की जाती है। निविदा हेतु अभिलेखों जैसे प्रतिभूति राशि पावती, उक्त कार्य हेतु निविदा अनुसार वांछित समस्त दस्तावेज इत्यादि निर्धारित अवधि में अनिवार्य रूप से ऑन-लाईन अपलोड करना होगा। निविदा दिनांक 06.08.2025 को सायं 17.15 बजे ऑन लाईन खोली जावेगी। कार्य की अनुमानित लागत रूपये 19,30,000/- (रूपये उन्नीस लाख तीस हजार) मात्र है तथा प्रतिभूति राशि रूपये 38,600/- (रू. अड़तीस हजार छः सौ) मात्र है। निविदा प्रपत्र (टेण्डर डाक्युमेंटस) राशि रूपये 2000/- दिनांक 05.08.2025 सायं 17.00 बजे तक ऑन लाईन भुगतान करने के उपरांत वेबसाईटः https://mptenders.gov.in पर ऑनलाईन क्रय किये जा सकते हैं। परिशिष्ट / संशोधन केवल वेबसाईट पर ही प्रकाशित किया जावेगा।

कार्य का विवरण	टेण्डर के प्राक्कलन की अनुमानित लागत राशि (रु.)	घरोहर राशि (रू.)	टेण्डर का मूल्य (रू.)	टेण्डर आनलाईन जमा करने की अंतिम तिथि	टेण्डर खुलने की तिथि	कार्य अवधि
लोक स्वास्थ्य यांत्रिकीय विभाग, मैकेनिकल खण्ड भोपाल के अंतर्गत मंत्रालय तथा प्रमुख अभियंता कार्यालयों में स्थापित कम्प्यूटर, प्रिंटर एवं नेटवर्किंग उपकरणों के सुचारू संचालन के लिये 02 वर्ष हेतु वार्षिक संधारण कार्य	19,30,000.00	38,600.00	2,000.00	05.08.2025 सांय 17.00 तक	06.08.2025, 17.15 बजे	अनुबंध दिनांक से 02 वर्ष

निविदा से संबंधित अन्य समस्त शर्तें एवं विवरण वेब साइट पर https://mptenders.gov.in निविदा क्रमांक 2025_PHED_438886_1 दिनांक 21.07.2025 उपलब्ध हैं।

G-16082/25 "स्वभाव स्वच्छता, संस्कार स्वच्छता" कार्यपालन यंत्री, लोक स्वा.यां. मैकेनिकल खण्ड, भोपाल

घर के अंदर रखी स्कूटर और जेवरात ले उड़े बदमाश

सूने मकानों पर चोरों का धावा, नकदी समेत लाखों का माल उड़ाया

भोपाल, दोपहर मेट्रो

बरसात के मौसम का फायदा उठाते हुए बदमाश सूने मकानों को निशाना बना रहे थे। ईंटखेड़ी स्थित प्रायवेट बैंक कर्मचारी के मकान का ताला तोड़कर चोर स्कूटर और जेवरात समेत हजारों का सामान चोरी कर ले गए। इधर कई अन्य इलाकों से भी हजारों का सामान चोरी हो गया। जानकारी के अनुसार लक्ष्मण सिंह यादव, सिद्धी विनायक कालोनी ईंटखेड़ी में रहते हैं और प्रायवेट बैंक की होमलोन शाखा में काम करते हैं। पिछले दिनों वह अपने मकान पर ताला लगाकर परिवार के साथ नरसिंहगढ़ चले गए थे। वापस लौटे तो घर का ताला टूटा मिला और अंदर सामान बिखरा पड़ा था। चैक करने पर घर में खड़ी स्कूटर और अलमारी में रखे सोने-चांदी के जेवरात, फायनेंस कंपनी में रखे गोल्ड लोन के कागजात समेत अन्य सामान गायब था। पुलिस ने लक्ष्मण की रिपोर्ट पर अज्ञात चोरों के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है। इधर रातीबड़ थानांतर्गत कलखेड़ा रोड कृष्णा नगर कालोनी में रहने वाले बालकृष्ण शर्मा (62) पिछले दिनों मकान पर ताला लगाकर अपने बेटे के पास मुंबई चले गए थे। वापस लौटे तो घर का ताला टूटा मिला और पूरा सामान बिखरा पड़ा था। अलमारियां भी खुली हुई थी। चैक करने पर भगवान के पास रखे चांती के करीब 40 सिक्के, पांच जोड़ी चांदी की पायल, बिछिया, बर्तन, करीब बीस हजार रुपए नकद, स्कूटर और कार तथा बैंक लाकर की चाबियां गायब थी।

श्री गणेशाय नमः ॐ नमः शिवाय

अखिल भारत हिंदू महासभा

द्वादश ज्योतिर्लिंग दर्शन एवं सावन मेला महोत्सव

कलचुरी भवन, चार इमली, अक्षय हार्ट हॉस्पिटल के सामने
26 - 27 - 28 जुलाई 2025

इस बार का सावन भोपालवासियों के लिए लेकर आ रहा है एक पावन अवसर – "द्वादश ज्योतिर्लिंग दर्शन एवं सावन मेला"

मुख्य आकर्षण:

- भारत के 12 पवित्र ज्योतिर्लिंगों की भव्य प्रतिकृतियाँ

- काशी विश्वनाथ बनारस के प्रसिद्ध ब्राह्मणों के द्वारा तीन दिवसीय पार्थिव शिवलिंग निर्माण एवं भारत की 7 पवित्र जीवनदायिनी नदियों (गंगा मैया, यमुना मैया, सरस्वती मैया, माँ नर्मदा, सरयू जी, बेतवा जी, अखंड भारत की पहचान पवित्र सिंधु नदी, साथ ही पवित्र कैलाश मानसरोवर के जल) से अभिषेक एवं पूजन अर्चन

- 50+ स्टॉल्स के साथ विशाल सावन मेला: जहाँ होंगे धार्मिक वस्त्र, पूजन सामग्री, आयुर्वेदिक उत्पाद, हस्तशिल्प, खाद्य सामग्री, झूले और बच्चों के खेल आदि

- धार्मिक विचार संगोष्ठी: आध्यात्मिक वक्ताओं द्वारा धर्म, जीवन मूल्य व सनातन संस्कृति पर प्रेरणादायक विचार

- शिव आर्ट गैलरी: शिवजी से जुड़ी कलात्मक कृतियों की प्रदर्शनी चित्रों, मूर्तियों व रचनात्मक प्रस्तुतियों का संगम

- प्रति दिन 111 अभिमंत्रित त्रिशूल वितरण: लकी ड्रा के माध्यम से चुने गए श्रद्धालुओं को प्रतीकात्मक त्रिशूल भेंट स्वरूप प्रदान किए जाएंगे

- 11 अभिमंत्रित तलवारों द्वारा मातृशक्ति सम्मान: विविध क्षेत्र से 11 सनातनी महिलाओं एवं कन्याओं को उनके सामाजिक योगदान हेतु तलवार एवं प्रशस्ति पत्र भेंट कर सम्मानित किया जाएगा

- विशाल भंडारा: सभी भक्तों के लिए भंडारा एवं प्रसादी वितरण **दिनांक 29 जुलाई 2025 को दोपहर 12:30 बजे से**

-**हिंदू राष्ट्र की स्थापना** के लिए समस्त सनातनियों की जागृति एवं मनवांछित फल प्राप्ति हेतु 101 ब्राह्मणों द्वारा 11 कुंडीय विशेष वैदिक हवन **दिनांक 29 जुलाई 2025 को सुबह 9:30 बजे से**

दोपहर मेट्रो

हर-हर महादेव!
शिव भक्त गौरव अध्वर्यु शर्मा
प्रदेश सह संगठन मंत्री
अखिल भारत हिन्दू महासभा (म प्र)
एवं मित्र मंडली

आइए, इस सावन भोपाल में शिवभक्ति, संस्कृति और संस्कारों के इस दिव्य संगम का हिस्सा बनें और पुण्य लाभ प्राप्त करें, साथ ही पूरे विश्व को दिखा दें कि हम सब एक हैं, **हर सनातनी एक है।**

+91 9810364008 +91 8962107290 +91 9617648005

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक **राजेश सिरोठिया** द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रासलाखेड़ी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। **प्रधान संपादक राजेश सिरोठिया संपादक आशीष दुबे*** आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 (*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) **फोन :** 0755-4917524, 2972022